वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 249 बुधवार 28 जनवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री ने शासन सचिवालय में फहराया राष्ट्रध्वज, कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना कार्मिकों का दायित्व

राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्धः भजनलाल

कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित होगी कमेटी

राज्य सरकार युवाओं में कौशल विकास और उद्यमिता को दे रही बढ़ावा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान के बाद हमें आजादी मिली और भारत एक लोकतांत्रिक गणराज्य बना। उन्होंने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा रचित हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संविधान में निहित लोक कल्याण की भावना को धरातल पर उतार रही है और उनके मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा वर्ग के उत्थान एवं सशक्तीकरण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाना कार्मिकों का दायित्व है और राज्य सरकार उनके हितों के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। शर्मा गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ की ओर से शासन सचिवालय में 77वें गणतंत्र दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

कर्मचारी कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य कर्मचारी सरकार और जनता के बीच की एक महत्वपूर्ण कड़ी हैं जो कल्याणकारी योजनाओं और निर्णयों को त्वरित गति से जनता तक पहुंचाकर उन्हें लाभान्वित करते हैं। उन्होंने कहा कि शासन सचिवालय में रिक्त लिपिक ग्रेड-द्वितीय के 584 एवं शीघ्रलिपिक के 194 पदों पर भर्ती के क्रम में 557 अभ्यर्थियो ने लिपिक ग्रेड द्वितीय के पद पर कार्यग्रहण कर लिया है एवं शेष पदों पर नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। शीघ्रलिपिक भर्ती परीक्षा 2024 का परिणाम जारी किया जा चुका है एवं दस्तावेज सत्यापन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपात्मक नियुक्ति के 73 प्रकरणों में शिथिलन प्रदान किया है। आश्रितों के लिए आवेदन करने की समय सीमा भी 90 से बढ़ाकर 180 दिन की है। इससे मृतक कार्मिक के आश्रितों को आवेदन करने के लिए पर्याप्त समय मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर सरकार सकारात्मक कदम उठाएगी। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शासन-प्रशासन में प्रभावी क्रियान्वयन के लिए राजकाज, आई-गॉट कर्मयोगी के माध्यम से 7.5 लाख कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया है। साथ ही, ई-ऑफिस ऐनालिटिक्स के तहत औसतन 5 से 6 घण्टे में फाइलों का निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी कल्याण के लिए समयबद्ध पदोन्नति, वेतन वृद्धि जैसे निर्णय किए जा रहे हैं। आमजन के जीवन में सरलीकरण के लिए सुशासन के माध्यम से निरंतर नवाचार किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर शासन सचिव कार्मिक श्रीमती अर्चना सिंह, राजस्थान सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री कजोड़ मल मीणा सहित विभिन्न कर्मचारी संघों के पदाधिकारी, वरिष्ठ अधिकारी तथा सचिवालय सेवा के कार्मिक उपस्थित थे।

युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा

शर्मा ने कहा कि निजी क्षेत्र में भी करीब ढाई लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया गया है। हमने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन कर लगभग 35 लाख करोड़ रुपये के निवेश एमओयू किए, जिनमें से 8 लाख करोड़ रुपये से अधिक के प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। इनसे युवाओं को बड़े पैमाने पर रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 71 नए राजकीय महाविद्यालयों की स्थापना की गई है। उनके सर्वांगीण विकास के लिए राजस्थान युवा नीति और रोजगार नीति लागू की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश का युवा रोजगार चाहने वाला ही नहीं बल्कि रोजगार देने वाला भी बने, इसके लिए मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की शुरूआत की गई है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं को ब्याज-मुक्त ऋण प्रदान करके उद्यमिता की ओर प्रेरित करना है। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा 3 लाख 37 हजार से अधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है और करीब 2 लाख युवाओं को इंटर्नशिप करवाई गई है। इसके साथ ही 65 आई स्टार्टअप लॉन्चपैड नेस्ट स्थापित किए गए हैं। 658 स्टार्टअप्स को करीब साढ़े 22 करोड़ की सहायता प्रदान की गई है।

1 लाख युवाओं को दी सरकारी नियुक्तियां, 1 लाख 54 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा देश और प्रदेश का भविष्य है, इसलिए राज्य सरकार उन्हें शिक्षण, प्रशिक्षण और रोजगार के भरपूर अवसर उपलब्ध करा रही है। हमारी सरकार ने अब तक 1 लाख से अधिक सरकारी नियुक्तियां दी है, साथ ही 1 लाख 54 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के लिए भी एक लाख भर्तियों का कैलेंडर जारी किया जा चुका है। इस प्रकार हम भर्तियों के साढ़े तीन लाख के आंकड़े को पार कर चुके हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार 5 साल में 4 लाख सरकारी भर्तियों के लक्ष्य को हासिल करेगी।

कार्मिकों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए बनेगी कमेटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि कर्मचारियों के कैडर संबंधी समस्याओं और विसंगतियों के समाधान के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई जाएगी जो विसंगतियों का समाधान करेगी। उन्होंने कहा कि कार्मिकों की कार्यकुशलता और दक्षता को बढ़ाने के लिए सचिव, कार्मिक की अध्यक्षता में भी एक कमेटी का गठन किया जाएगा जो कार्य संबंधी सुविधाओं के बारे में अनुशंषा करेगी।

न्यायिक अधिकारी सुमन गिठाला की अध्यक्षता में 'बालिका दिवस' पर विधिक जागरूकता शिविर संपन्न

नसीराबाद (रोहित जैन). शाबाश इंडिया

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के एक्शन प्लान और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अजमेर के निर्देशानुसार शनिवार को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, नसीराबाद में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के उपलक्ष्य में एक विशेष विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।

कानूनी अधिकारों और सुरक्षा पर जोर

कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश एवं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती सुमन गिठाला ने की। शिविर को संबोधित करते हुए न्यायिक अधिकारी ने बालिकाओं को उनके कानूनी अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान की बारीकियों को समझाते हुए कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक बुराइयों को रोकने के लिए बनाए गए कड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी।

योजनाओं और हेल्पलाइन की दी जानकारी

तालुका सचिव ताराचंद ने बताया कि शिविर के दौरान बालिकाओं को सुकन्या समृद्धि योजना के लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, किसी भी आपातकालीन स्थिति या कानूनी सहायता के लिए नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 की उपयोगिता के बारे में भी जागरूक किया गया।

पोस्टर प्रदर्शनी और सामूहिक सहभागिता

शिविर में 'बेटी को पढ़ाओ, आगे बढ़ाओ' और 'बालिका संरक्षण' विषयों पर सामूहिक पोस्टर लगाकर संदेश प्रसारित किया गया। इस अवसर पर पैनल अधिवक्ता हेमंत कुमार व सौरभ सेठी तथा अधिकार मित्र अनिल कुमार व कोमल चौहान ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में लगभग 500 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

स्वागत एवं अभिनंदन

कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती सूरज देवी चौहान ने मुख्य अतिथि एवं अन्य आगंतुकों का पुष्प भेंट कर स्वागत किया। शिविर के अंत में बालिकाओं ने समाज में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।

ज्ञान ही आत्मकल्याण का मार्ग

मुनि अरह सागर जी महाराज

ब्यावर. शाबाश इंडिया। पूज्य मुनि 108 श्री अरह सागर जी महाराज ने अपने मंगल प्रवचन में ज्ञान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ज्ञान के बिना धर्म, तप और संयम भी दिशाहीन हो जाते हैं। ज्ञान वह दीपक है, जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर आत्मा को सन्मार्ग की ओर अग्रसर करता है।

मोक्ष मार्ग के तीन स्तंभ

मुनि श्री ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि संसार के समस्त दुखों का मूल कारण अज्ञान है। जब तक जीव तत्वज्ञान को नहीं समझता, तब तक वह मोह, राग और द्वेष के चक्रव्यूह से मुक्त नहीं हो सकता। सम्यक ज्ञान से ही सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की प्राप्ति होती है। ये तीनों ही मोक्ष मार्ग के अनिवार्य स्तंभ हैं।

ज्ञान का व्यावहारिक पक्ष

उन्होंने जोर देकर कहा कि सच्चा ज्ञान केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसे आचरण में उतारना ही वास्तविक साधना है। ज्ञान से विवेक जागृत होता है, जिससे व्यक्ति श्रेय और प्रेय (सही और गलत) में भेद कर पाता है। एक ज्ञानवान व्यक्ति विषम परिस्थितियों में भी संतुलित और शांत बना रहता है। मुनि श्री ने श्रावकों से नियमित स्वाध्याय करने का आह्वान किया।

धार्मिक अनुष्ठान एवं सम्मान

दिगंबर जैन समाज के प्रवक्ता अमित गोधा ने बताया कि मुनि श्री अरह सागर जी एवं मुनि श्री सुहित सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य संजीव-सीमा जैन, रीतिका जैन (गंगवाल) एवं कुमेश-सरोज जैन (तोरविक परिवार) को प्राप्त हुआ। श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला, मंत्री विजय फागीवाला, कमल रावका, शशिकांत गदीया, श्रीपाल आजमेरा और प्रशांत जैन सहित कार्यकारिणी द्वारा पुण्यार्जक परिवारों का साफा एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग महिला अंचल की अध्यक्ष

श्रीमती सरोजनी एवं श्री नरेश जी बंसल

को वैवाहिक वर्षगांठ की

हार्दिक शुभकामनायें एवं बधाई

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
रेखा जैन, टोंक संभाग मंत्री
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर
जैन महासमिति राजस्थान महिला अंचल

रामगंजमंडी में मुनि श्री योगसागर महाराज की ऐतिहासिक अगवानी: उमड़ा जनसैलाब

रामगंजमंडी. अभिषेक जैन लुहाड़िया

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के परम शिष्य और वर्तमान आचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के ज्येष्ठ शिष्य मुनि श्री 108 योगसागर महाराज का ससंघ मंगल प्रवेश रामगंजमंडी नगर में ऐतिहासिक उत्साह के साथ हुआ। जैसे ही गुरुदेव ने नगर की सीमा पर स्थित कमल फिलिंग स्टेशन पर कदम रखा, पूरा क्षेत्र 'विद्यासागर-समयसागर' के जयकारों से गुंजायमान हो गया।

गुरु-शिष्या का मंगल मिलन: नगर आगमन पर समाज के हजारों बंधुओं ने गुरुदेव की अगवानी की। उत्साह का चरम तब दिखा जब पुलिस थाना चौराहे पर नगर में पहले से विराजमान आर्यिका 105 संगममती माताजी ने संघ सहित मुनि श्री की अगवानी की। गुरुदेव के चरणों में नमन करते हुए माताजी ने वंदना की, वहीं मुनि श्री ने भी माताजी व उनके संघ को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। यह दृश्य देख श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे; मानो साक्षात आचार्य विद्यासागर महाराज की प्रतिमूर्ति नगर में पधारी हो।

भक्ति और धर्मसभा का आयोजन: धुनों और ध्वजों के साथ गुरुदेव को प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर लाया गया। मंदिर के द्वार पर भव्य अगवानी के पश्चात महाराज श्री ने भगवान शांतिनाथ के दर्शन किए। इसके उपरांत आयोजित धर्मसभा में शोभित जैन ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। सभा का कुशल संचालन राजकुमार गंगवाल एवं प्रशांत जैन ने किया।

मुनि श्री निरोगसागर महाराज का उद्बोधन: 'जीवन में जीव रक्षा लाओ'

धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री 108 निरोगसागर महाराज ने कहा, रामगंजमंडी पर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की विशेष कृपा है। यहाँ का पुण्य प्रबल है, तभी मुनि संघ का समागम प्राप्त हुआ है। उन्होंने युवाओं और परिवारों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आप फास्ट फूड का सेवन कर रहे हैं, तो वह मांसाहार के समान ही दूषित है। स्वाद के वशीभूत होकर पाप कमाना तिर्यंच गति (पशु योनि) का मार्ग है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केवल नाम लिखने से कोई जैन नहीं होता, बल्कि अहिंसा और जीव रक्षा के संकल्प से ही जैनत्व सिद्ध होता है।

आर्यिका श्री विज्ञाश्री माताजी के सान्निध्य में श्री जिनसहस्रनाम महार्चना विधान संपन्न

मंदसौर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव, श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ के पावन सान्निध्य में मंदसौर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में 'श्री जिनसहस्रनाम महार्चना विधान' का भव्य आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

भक्ति और अनुष्ठान का संगम

विधान की शुरूआत देवाधिदेव जिनेन्द्र भगवान के अभिषेक के साथ हुई। इस मांगलिक अवसर पर 11 वलयों की 11 शांतिधाराएं की गईं। मण्डल विधान के दौरान भक्तों ने 25 दीपक, 25 श्रीफल और 1008 बादाम समर्पित कर पुण्य अर्जन किया। विश्व शांति की कामना के साथ पवित्र हवन भी किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां दीं।

दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई

संघस्थ प्रतीक जैन ने जानकारी दी कि कार्यक्रम के दौरान दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई का विशेष संस्कार संपन्न हुआ। ब्रह्मचारिणी नीशू दीदी के कुशल संचालन में सभी भक्तों ने पंच मेवा के माध्यम से दीक्षार्थी बहनों की गोद भराई की और इस सातिशय पुण्य के सहभागी बने।

आनंद यात्रा और महाआरती

शाम के सत्र में आर्यिका मां के मुखारविंद से 'आनंद यात्रा' का आयोजन हुआ, जिसमें उन्होंने भक्तों को आध्यात्मिक जीवन की गहराईयों से अवगत कराया। इसके पश्चात 108 दीपकों से देवाधिदेव आदिनाथ भगवान की भव्य महाआरती की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। पूज्य आर्यिका मां ने उपस्थित जनसमूह को अपना मंगल आशीर्वाद प्रदान किया।

आगामी कार्यक्रम

संघस्थ नीशू दीदी ने बताया कि कल, 28 जनवरी 2026 को प्रातः 8:30 बजे से दिगंबर जैन कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल में आर्यिका मां का विशेष उद्बोधन आयोजित किया जाएगा।

टोंक में निःशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर संपन्न: 153 मरीजों ने उठाया लाभ

टोंक. शाबाश इंडिया

रुंगटा हॉस्पिटल जयपुर एवं पारसमल धर्मचंद बिलासपुरिया चैरिटेबल आयुर्वेदिक औषधालय के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को पुरानी टोंक स्थित श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन तेरापंथ ट्रस्ट भवन में निःशुल्क मल्टी स्पेशलिटी चिकित्सा परामर्श व जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में कुल 153 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

शिविर का उद्घाटन एवं मुख्य अतिथि

शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व नगर परिषद सभापति श्रीमती लक्ष्मी जैन एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन व मंगलाचरण के साथ किया गया। लक्ष्मी जैन ने अपने उद्बोधन में बिलासपुरिया परिवार के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से टोंक की गरीब जनता को सीधा स्वास्थ्य लाभ पहुँच रहा है। इस दौरान औषधालय समिति द्वारा एक टेबल कैलेंडर का विमोचन भी किया गया। शिविर में हृदय रोग, न्यूरोलॉजी, शिशु रोग, स्त्री रोग और जनरल सर्जरी सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों ने सेवाएँ दीं। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक ने मरीजों को खान-पान के प्रति सचेत किया। उन्होंने CPR तकनीक का डेमो देते हुए बताया कि हृदयघात (हार्ट अटैक) की स्थिति में सही समय पर CPR देकर अधिकांश मरीजों की जान बचाई जा सकती है। शिविर में ब्लड प्रेशर, शुगर और ECG जैसी जाँचें पूरी तरह निःशुल्क की गईं।

मानव सेवा हेतु नई पहल

औषधालय समिति के अध्यक्ष कमल बिलासपुरिया ने बताया कि आज से रोगियों के लिए सहायक उपकरण बैंक का शुभारंभ किया गया है। इसके तहत बेड फोल्डिंग, व्हील चेयर, कमोड चेयर और वॉकर जैसे उपकरण जरूरतमंदों को निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। समिति के मंत्री विमल कुमार जैन ने बताया कि वर्ष 2021 से संचालित इस औषधालय के माध्यम से अब तक 8206 मरीज लाभान्वित हो चुके हैं। कार्यक्रम में सुरेंद्र जयपुरिया, विनोद बाकलीवाल, और राजेश अरिहंत सहित शहर के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

वेद ज्ञान

मन के कार्यों को करने के लिए मानसिक व्यायाम आवश्यक

व्यायाम के बगैर शरीर पुष्ट नहीं होता। ठीक उसी तरह मन के कार्यों को उचित तरह से संपन्न करने के लिए कुछ न कुछ मानसिक व्यायाम भी आवश्यक है। जिस मानव में दानव सरीखी शारीरिक शक्ति हो और उसके मन का स्वरूप विकसित न हो तो उसे पूर्ण मनुष्य नहीं कहा जा सकता। क्या आपके मन में नकारात्मक और अशालीन विचार उत्पन्न होते हैं? ऐसे विचारों को दूर करने के लिए अंतः करण शुद्ध करें। मन का एक दोष उसका अत्यधिक चंचल होना है। रंगबिरंगी तितली की भांति उसका एक फूल से दूसरे फूल तक मंडराना गलत है। कोई तत्व, विशेष विचार या भावना को ले लीजिए वह विचार या भावना भले ही शुष्क क्यों न हो, उस पर मन की समग्र वृत्तियों को एकाग्र कर दें। मन कुछ समय उपरांत भागेगा, आप संयम द्वारा उसे बांधे रहिए। विचलित न होइए। इस क्रिया को विभिन्न वस्तुओं, विचारों और भावनाओं के संदर्भ में लागू करने पर मन में स्थिरता व दृढ़ता आती है। मनन ही मन का सर्वश्रेष्ठ व्यायाम है। आप जिस बात को लें, उसी में कुछ समय के लिए जुट जाएं। आप सारे दिन किस प्रकार के विचारों का चिंतन करते हैं? किन-किन विभिन्न वृत्तियों व भावनाओं में दिन गुजारते हैं? अपने मन के दृष्टा बनकर पूर्ण परीक्षा करें। इस संदर्भ में महत्वपूर्ण बात यह है कि मन में शुभ विचारों के उत्पन्न होने पर द्वेष, घृणा, ईर्ष्या आदि नकारात्मक विचार उत्पन्न ही नहीं होते। जो मनुष्य अपने मन में नकारात्मक विचारों को स्थान देता है, उसके व्यक्तित्व में भी नकारात्मक बातों का समावेश हो जाता है। मन को निरोग बनाने के लिए ईश्वर पर आस्था रखें और सकारात्मक विचारों को मन में स्थान दें। इस बात को महसूस करें कि आपके मन का प्रत्येक अणु ईश्वरीय तत्व से अनुप्राणित है। अंतर्मन में ईश्वर की अनुभूति करें। सच तो यह है कि मन को एकाग्र किए बगैर किसी प्रकार का अभ्यास उत्तम विधान से संपन्न नहीं होता। अध्ययन, मनन या साधना के समय अगर मन को दृढ़ता से एकाग्र न किया जाए तो उसका फल प्राप्त ही नहीं होता।

संपादकीय

अस्तित्व की रक्षा के लिए अब जागना होगा

'पर्यावरण' शब्द 'परि' और 'आवरण' के मेल से बना है, जिसका अर्थ है वह आवरण जो हमें चारों ओर से घेरे हुए है। प्रकृति और मानव का संबंध आदिकाल से अटूट रहा है, लेकिन आज यह संतुलन बिगड़ चुका है। यदि हमने समय रहते सचेत होकर अपनी जीवनशैली नहीं बदली, तो हम अनजाने में ही विनाशकारी बीमारियों और आपदाओं को निमंत्रण दे रहे हैं। हर साल 5 जून को 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है,

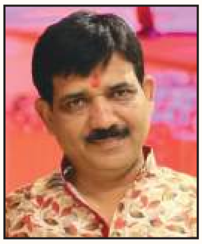

जिसकी शुरूआत 1973 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा सामाजिक और राजनीतिक जागृति लाने के लिए की गई थी। पर्यावरण के दो मुख्य घटक हैं: जैविक (पेड़-पौधे, जीव-जंतु, मनुष्य) और अजैविक (पर्वत, नदियां, हवा)। मनुष्य की हर क्रिया इन दोनों को प्रभावित करती है। विज्ञान की असीमित प्रगति और प्रकृति पर विजय पाने की अंधी चाहत ने धरती का तापमान बढ़ा दिया है। तीव्र औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने हरे-भरे क्षेत्रों को 'कंक्रीट के जंगल' में तब्दील कर दिया है, जिससे वर्षा चक्र बाधित हुआ है और सूखे की स्थिति भयावह हो गई है। आज समूचा विश्व जल संकट से जूझ रहा है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि यदि धरती पर पेड़ और पानी है, तभी हमारा अस्तित्व है। वर्तमान में 'वाटर हार्वेस्टिंग' और 'वाटर मैनेजमेंट' केवल शब्द नहीं, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता बन चुके हैं। सौभाग्य से, आज इस क्षेत्र में करियर के नए द्वार खुले हैं; युवा अब वाटर साइंटिस्ट, हाइड्रो-जियोलॉजिस्ट और वाटर कंजर्वेशनिस्ट बनकर देश की सेवा कर सकते हैं। हमें बड़े स्तर पर तालाबों और पोखरों का पुनरुद्धार करना होगा ताकि बारिश की एक-एक बूंद सहेजी जा सके। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए 1992 में ब्राजील में और 2002 में जोहान्सबर्ग में 'पृथ्वी सम्मेलन' आयोजित किए गए, जिसमें दुनिया भर के देशों ने हिस्सा लिया। लेकिन केवल सम्मेलनों से बदलाव नहीं आएगा; हमें धरातल पर काम करना होगा। फैक्ट्रियों और सीवर के गंदे पानी को नदियों में जाने से रोकना होगा। यदि प्रदूषित पानी खेती और पीने के उपयोग में आएगा, तो समस्त प्राणी जगत रोगों का शिकार हो जाएगा। वायु और ध्वनि प्रदूषण भी हमारे स्वास्थ्य के लिए उतने ही घातक हैं। कारखानों का धुआं और ए.सी. व जनरेटरों से निकलने वाली गैसें ओजोन परत को क्षति पहुंचा रही हैं। वहीं, शादी-पार्टियों में डी.जे. का बढ़ता शोर ध्वनि प्रदूषण के स्तर को खतरनाक बना रहा है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण सुरक्षा का पाठ पढ़ाना होगा। प्रकृति का नियम है जो हम इससे लेते हैं, वह हमें लौटाना पड़ता है। यदि हम धरती को केवल प्रदूषण देंगे, तो बदले में हमें आपदाएं ही मिलेंगी। जल बचाना, पेड़ लगाना और प्रदूषण कम करना अब केवल विकल्प नहीं, बल्कि हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति से लिया गया ऋण चुकाने का समय आ गया है, अन्यथा मानव सभ्यता का अंत निश्चित है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

अतीत की जड़ों से भविष्य का निर्माण

अशोक प्रवृद्ध

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के जाज्वल्यमान नक्षत्र 'पंजाब केसरी' लाला लाजपत राय का व्यक्तित्व बहुआयामी था। 28 जनवरी 1865 को पंजाब के धुडीके गांव में जन्मे लालाजी ने न केवल ब्रिटिश सत्ता की चूलें हिला दीं, बल्कि आधुनिक भारत की आर्थिक और शैक्षिक नींव भी रखी। आज 2026 के कालखंड में, जब भारत अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौट रहा है, उनके विचार और अधिक प्रासंगिक हो गए हैं। लाला लाजपत राय केवल एक वकील या राजनेता नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी समाज सुधारक थे। उन्होंने समझा था कि मानसिक गुलामी से मुक्ति के लिए भारतीय संस्कारों वाली शिक्षा अनिवार्य है। इसी उद्देश्य से उन्होंने लाला हंसराज के साथ मिलकर दयानंद एंग्लो-वैदिक संस्थानों की स्थापना की। उनका मानना था कि युवाओं को आधुनिक विज्ञान के साथ-साथ अपनी संस्कृति का ज्ञान होना चाहिए। 1894 में उन्होंने स्वदेशी की भावना के साथ पंजाब नेशनल बैंक की नींव रखने में मदद की, जो आज भी भारत की आर्थिक शक्ति का स्तंभ है।

लाल-बाल-पाल की त्रिमूर्ति

भारतीय राजनीति में 'लाल, बाल, पाल' (लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल) की त्रिमूर्ति ने कांग्रेस के भीतर गरम दल का नेतृत्व कर 'पूर्ण स्वराज' की अलख जगाई। 1905 के बंगाल विभाजन के बाद उन्होंने स्वदेशी आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया। उन्होंने 'यंग इंडिया' और 'द पंजाबी' जैसे पत्रों के माध्यम से राष्ट्रवाद का प्रचार किया और 'अनहैप्पी इंडिया' जैसी कालजयी पुस्तक लिखकर ब्रिटिश दुष्प्रचार का करारा जवाब दिया। 30 अक्टूबर 1928 का दिन इतिहास का निर्णायक मोड़ बना। लाहौर में साइमन कमीशन के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध का नेतृत्व करते समय लालाजी पर बर्बर लाठीचार्ज हुआ। घायल अवस्था में उन्होंने गरजकर कहा था मेरे शरीर पर पड़ी एक-एक लाठी ब्रिटिश साम्राज्य के ताबूत की आखिरी कील साबित होगी। 17 नवम्बर 1928 को उनके निधन ने देश में आक्रोश की ज्वाला भड़का दी। इसी बलिदान का प्रतिशोध लेने के लिए भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने सॉन्डर्स का वध किया, जिसने अंततः भारतीय क्रांतिकारी आंदोलन को निर्णायक ऊंचाई प्रदान की।

सांस्कृतिक जड़ें और भविष्य निर्माण

लालाजी हिन्दी के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने शिवाजी और श्रीकृष्ण जैसे महापुरुषों की जीवनियां लिखीं ताकि युवा अपनी गौरवशाली विरासत से प्रेरणा ले सकें। उनका एक प्रसिद्ध कथन आज भी हमारा मार्ग प्रशस्त करता है अतीत को देखते रहना व्यर्थ है, जब तक उस अतीत पर गर्व करने योग्य भविष्य के निर्माण के लिए कार्य न किया जाए। आज 2026 में, जब भारत 'आत्मनिर्भर भारत' और 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' के माध्यम से अपनी पहचान पुनः स्थापित कर रहा है, लालाजी का दर्शन ही हमारा आधार है। भविष्य की प्रगति तब तक स्थायी नहीं होती, जब तक वह अपनी जड़ों से न जुड़ी हो। लाला लाजपत राय को सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके द्वारा दिखाए गए 'स्वदेशी', 'स्वावलंबन' और 'सांस्कृतिक गौरव' के मार्ग पर चलें। अतीत की ऊर्जा और वर्तमान के कर्मों के संगम से ही एक सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की पुण्यतिथि पर विशेष भावांजलि

गूँज रही है दिव्य देशना...

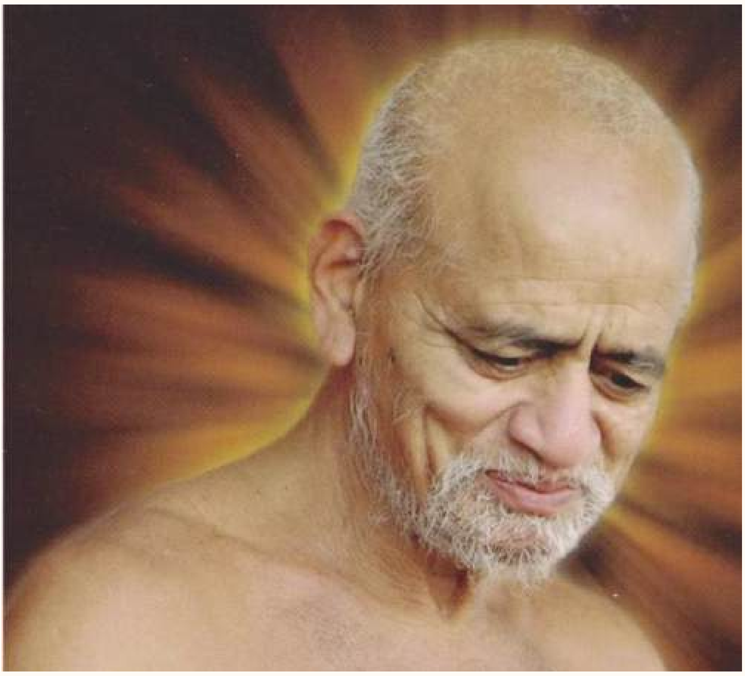

गहन मौन है कुंडलपुर में, मड़ग़िा जी नयनन पानी, भाग्योदय, नेमावर,
रामटेक, बीना बारहा सुनसानी।

प्रतिभास्थली राह देखती, दयोदय की गाएँ बुलाती हैं, मूकमाटी गहन मौन
में, पूणार्यु की कुटिया खाली है।

श्रमदान में सूनापन है, जेल के कैदी सिसक रहे, जिस-जिस ने पाए थे दर्शन,
व्याकुल होकर बिलख रहे।

सहज हुए, चेतना जागी, परिदृश्य बदलता दिखता है, आचार्य समय सागर
की छवि में, बिम्ब आपका ही बसता है।

विश्व-विशाल संघ जो छोड़ा, सब में गुरुवर दिखते हैं, कुंडलपुर व सभी
तीर्थ के, कण-कण में गुरुवर बसते हैं।

गूँज रही है दिव्य देशना, सुन, समझ रहे हो क्या करना? सत्य, साधना,
सेवा, करुणा, त्याग के पथ पर ही चलना।

अभयदान देना है जग को, लक्ष्य शिवालय, याद रहे, सबके संग रह,
आत्मलीन हो, मुक्तपुरी पथ याद रहे।

कोटि नमन स्वीकारें पूज्यवर, सदा बसें सबके मन में, अधर, नयन, कर
आशीष पाएँ, जो रहते भूमण्डल में।

मुक्तपुरी तक अनुगामी बन, हम सब पीछे चल पाएँ, 'विद्या' सागर की लहरों
संग, हम आकिंचन तर जाएँ।

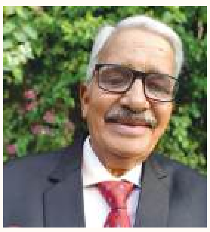

महावीर इंटरनेशनल (गढ़ी परतापुर) ने मलाना विद्यालय को लिया गोद; वार्षिक उत्सव में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

गढ़ी परतापुर/मलाना. शाबाश इंडिया

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मलाना के खेल मैदान में 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' के उपलक्ष्य में वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह-2026 का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर 'महावीर इंटरनेशनल' गढ़ी परतापुर ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास हेतु इसे गोद लेने की घोषणा की।

नवीन भवनों का लोकार्पण एवं भामाशाह सम्मान

कार्यक्रम की शुरूआत जन-सहयोग से नवनिर्मित तीन नवीन कक्षाओं के उद्घाटन के साथ हुई। मुख्य अतिथि एवं ग्रामीणजनों ने फीता काटकर इन कमरों का लोकार्पण किया। इसके पश्चात विद्यालय विकास में आर्थिक सहयोग प्रदान करने वाले भामाशाहों का अभिनंदन किया गया। प्रमुख भामाशाह श्री वीरेंद्र पाटीदार को उनके विशेष योगदान के लिए शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया।

ज्ञानवर्धन और कौशल पर जोर

मुख्य अतिथि, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी माया सैमसन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानवर्धन और व्यक्तित्व विकास ही जीवन की सफलता की कुंजी है। एसडीएमसी सदस्य वजेग भाई पाटीदार ने भौतिक संसाधनों के साथ-साथ शैक्षिक लक्ष्यों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया। सत्र पर्यंत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया, जिसमें जिला स्तरीय कौशल प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र योगेश पाटीदार को विशेष सम्मान मिला।

महावीर इंटरनेशनल का सराहनीय संकल्प

महावीर इंटरनेशनल के इंटरनेशनल डायरेक्टर (नॉलेज शेयरिंग एवं ई-चौपाल) वीर अजीत कोठिया ने मलाना विद्यालय को गोद लेने की औपचारिक घोषणा की। उन्होंने आश्वासन दिया कि संस्था विद्यालय के शैक्षणिक स्तर, भौतिक ढांचे और विद्यार्थियों के स्वास्थ्य जागरूकता कार्यों में निरंतर समर्पित सहयोग प्रदान करेगी।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और विदाई समारोह

समारोह के दौरान छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम के अंतिम चरण में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किया गया, जहाँ उन्हें आगामी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया गया।

प्रमुख उपस्थिति

कार्यक्रम की अध्यक्षता पीईईओ दिनेश सिंह राव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में एसीबीईओ सुरेश चंद्र पाटीदार व मनोज कुमार शाह उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथियों में प्रकाश चंद्र डाबी, शिक्षाविद शंकर लाल डाबी, उप-सरपंच लोकेश पाटीदार सहित अनेक गणमान्य नागरिक शामिल थे। कार्यक्रम का सफल संचालन अध्यापिका नैना जैन ने किया एवं आभार प्रदर्शन उप-प्रधानाचार्य राकेश पाटीदार द्वारा किया गया।

मुनि सुधासागर जी ने दिया आत्म-दर्शन का संदेश

गोला कोट तीर्थ में पंचकल्याणक और गजरथ महोत्सव का भव्य समापन

खनियाधाना. शाबाश इंडिया

सिद्ध क्षेत्र गोला कोट तीर्थ में राष्ट्रसंत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधासागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित 'श्रीमद् जिनेंद्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव' एवं 'गजरथ महोत्सव' का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया और मुकेश भैया के निर्देशन में विश्व शांति महायज्ञ के साथ इस महोत्सव ने आध्यात्मिक ऊंचाइयों को छुआ। समापन के अवसर पर तीर्थ क्षेत्र में तीन विशाल रथों का भव्य प्रवर्तन किया गया, जिसे देखने हजारों की संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

मुनि श्री का प्रवचन: 'संसार से विराम का भाव ही मोक्ष की ओर पहला कदम'

विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि श्री सुधासागर जी महाराज ने वैराग्य और संसार की नश्वरता पर मार्मिक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, संसार की हर वस्तु से एक समय बाद मन भर जाता है। आप उत्साह से हिल स्टेशन जाते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में वापस घर आने की व्याकुलता होने लगती है। जिस भोजन के लिए तीव्र भूख लगी थी, पेट भरते ही उसे आप नकार देते हैं। यह 'विराम' का भाव ही विभाव है। मुनि श्री ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि अच्छे कार्यों, संयम या मुनि धर्म के पालन में 'कब तक करूँ' का भाव आ जाए, तो गुणस्थान नीचे गिर जाता है। लेकिन यदि यही 'कब तक' का भाव संसार के भोगों और बुरी आदतों के प्रति आ जाए, तो समझ लेना कि आपके संसार का अंत निकट है और मुक्ति का मार्ग खुलने वाला है।

बुरी आदतों के त्याग का संकल्प

मुनि श्री ने भक्तों को प्रेरित करते हुए कहा कि हर व्यक्ति में कोई न कोई कमी या बुरी आदत होती है। जिस दिन मन में यह संकल्प आ जाएगा कि हे भगवान! इस गंदी आदत का अब विराम होना चाहिए, उसी दिन से आपकी आध्यात्मिक प्रगति शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा, जब आप धन और प्रशंसा से थकने लगेंगे और मंदिर जाने व दान देने में आपका उत्साह बढ़ता जाएगा, तभी आप भगवान बनने की दिशा में बढ़ेंगे। दान न देना अपराध नहीं है, लेकिन 'कब तक दूँ' का भाव आना विष के समान है। महोत्सव के अंतिम चरण में महायज्ञ नायक सत्येंद्र जैन (राजधानी), सौधर्म इंद्र राकेश जी, कुबेर इंद्र पीयूष जैन, अमित जैन और एस.के. जैन सहित सभी प्रमुख पात्रों द्वारा तीर्थंकर, अरिहंत और गणधर कुंडों पर सवा करोड़ मंत्रों के साथ आहुतियां समर्पित की गईं। प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया के कुशल मार्गदर्शन में यह अनुष्ठान निर्विघ्न संपन्न हुआ।

विद्वानों और पात्रों का सम्मान

मध्य प्रदेश महासभा के संयोजक विजय धुर्रा ने 'श्रमण संस्कृति संस्थान' के विद्वानों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज गुरुदेव को अपने संस्थान के पांच विद्वानों पर गर्व है। इस अवसर पर अमित शास्त्री, जय शास्त्री और शुभम शास्त्री ने गजरथ महोत्सव की गौरव गाथा का संगीतमय गान किया। कमेटी द्वारा सभी पात्रों और सहयोगियों का अभिनंदन व सम्मान किया गया।

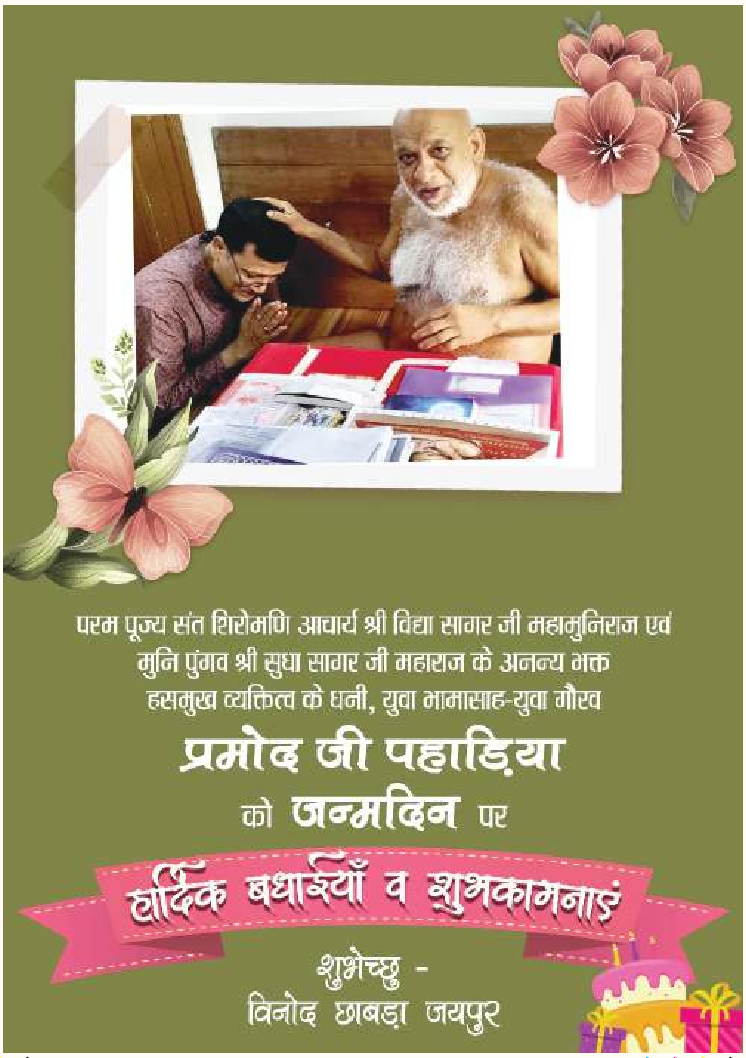

एक कपड़ा, किसी की ठिठुरती ज़िंदगी का सहारा

बकानी में 'हमारा कपड़ा बैंक डिपो' अभियान शुरू

बकानी. शाबाश इंडिया

जब कड़ाके की ठंड में शहर सो जाता है, तब भी फुटपाथों और झोपड़ियों में कई ज़िंदगियाँ सर्दी के सितम से जागती रहती हैं। किसी बच्चे के पास तन ढकने को वस्त्र नहीं, तो किसी बुजुर्ग के पास शीत लहर से लड़ने की सामर्थ्य नहीं। ऐसी ही मजबूरियों को इंसानियत की गर्माहट देने के संकल्प के साथ समाजसेवी श्याम कुशवाह के संचालन में हमारा कपड़ा बैंक डिपो अभियान का आगाज किया गया है।

चार माह तक जगेगी इंसानियत की अलख

यह अभियान आगामी चार महीनों तक लगातार संचालित किया जाएगा, जो क्षेत्र के हजारों जरूरतमंदों के लिए आशा की नई किरण बनेगा। यह पहल केवल पुराने कपड़ों का वितरण मात्र नहीं है, बल्कि समाज की संवेदना, सम्मान और मानवता का जीवंत उदाहरण है। घरों की अलमारियों में वर्षों से अनुपयोगी पड़े कपड़े आज इस अभियान के माध्यम से किसी की रातों की ढाल बन रहे हैं।

इनका मिल रहा है सहयोग

इस निःस्वार्थ सेवा अभियान में विपिन उपाध्याय एवं कौशल कुशवाह (कोटा) का विशेष और सराहनीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। समाज के हर वर्ग से मिल रही भागीदारी यह सिद्ध कर रही है कि आधुनिकता के दौर में भी परोपकार की भावना जीवंत है।

'आपका पुराना, किसी का नया'

अभियान संचालक श्याम कुशवाह ने समाज के समर्थ नागरिकों से अपील करते हुए कहा– आपका एक पुराना कपड़ा किसी की पूरी सर्दी बचा सकता है। जो वस्तु आपके लिए अनुपयोगी हो चुकी है, वही किसी अभावग्रस्त व्यक्ति के लिए जीवन का सहारा हो सकती है।

कैसे करें सहयोग?

जो भी नागरिक पुराने लेकिन उपयोग योग्य कपड़े (जैसे स्वेटर, कंबल, जैकेट या अन्य वस्त्र) दान करना चाहते हैं, वे मोबाइल नंबर 7877794666 पर संपर्क कर सकते हैं। अभियान की टीम स्वयं आपके घर पहुँचकर कपड़े प्राप्त करने की व्यवस्था करेगी। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि इंसान केवल बड़े दान से महान नहीं बनता, बल्कि एक छोटी सी संवेदना और सहयोग की भावना भी किसी की ज़िंदगी को बदलने की शक्ति रखती है।

उदयपुर का पैसा, उदयपुर में

स्थानीय व्यापार को बचाने के लिए 'व्यापारी 2.0' अभियान का आगाज

रिपोर्ट फोटो: सावन दोसी

उदयपुर। शहर की स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के ढाँचे को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 'मेवाड़ बचाओ मंच' ने अपने बहुचर्चित अभियान 'उदयपुर का पैसा, उदयपुर में' के दूसरे चरण की शुरूआत कर दी है। इस चरण का मुख्य ध्येय ''व्यापारी 2.0 का वादा: दाम कम, सम्मान ज्यादा'' के संकल्प के साथ उपभोक्ताओं को स्थानीय दुकानों की ओर आकर्षित करना है।

डार्क स्टोर्स और ऑनलाइन ऐप्स से मुकाबले की तैयारी

मंच के संस्थापक अध्यक्ष अभिषेक पांडेय ने बताया कि वर्तमान में आधुनिक 'डार्क स्टोर्स' और त्वरित वितरण (इंस्टेंट डिलीवरी) ऐप्स स्थानीय छोटे दुकानदारों के लिए एक गंभीर संकट बन गए हैं। उन्होंने कहा कि आकर्षक ऑफर्स के पीछे छिपे अतिरिक्त शुल्क उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ डालते हैं और स्थानीय स्तर पर मिलने वाले रोजगार को समाप्त कर रहे हैं।

अभियान के तीन मुख्य स्तंभ

अभियान के दूसरे चरण को तीन मुख्य रणनीतियों पर केंद्रित किया गया है:

ऑनलाइन खरीदारी के स्थानीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों की जानकारी देना।

कंपनियों द्वारा किए जा रहे भ्रामक प्रचार और छिपे हुए शुल्कों को उजागर करना।

उपभोक्ताओं को भावनात्मक और व्यावहारिक रूप से स्थानीय व्यापार से जुड़ने के लिए प्रेरित करना।

तीन चरणों में जन-जागरण कार्यक्रम

संरक्षक सुरेन्द्र दोषी और उपाध्यक्ष मयंक जानी ने अभियान की रूपरेखा स्पष्ट करते हुए बताया:

प्रथम चरण (15-20 जनवरी): शहर में पेम्फलेट वितरण कर स्थानीय व्यापार की महत्ता का संदेश घर-घर पहुँचाया गया।

द्वितीय चरण (25-30 जनवरी): शहर के प्रमुख चौराहों पर सघन जनसंपर्क किया जा रहा है ताकि नागरिकों से सीधा संवाद स्थापित हो सके।

तृतीय चरण (1-10 फरवरी): कार्यशालाओं का आयोजन होगा, जहाँ स्थानीय खरीदारी के वित्तीय और सामाजिक लाभों पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

उपभोक्ताओं का संकल्प: समर्थन पत्र की मुहिम

अभियान के तहत नागरिकों से 'समर्थन पत्र' भी भरवाए जा रहे हैं, जिसमें वे अपनी प्राथमिकता स्थानीय व्यापारियों को देने की प्रतिज्ञा करेंगे। मंच के पदाधिकारियों का मानना है कि स्थानीय दुकानों को बढ़ावा देने से न केवल शहर का पैसा शहर में रहेगा, बल्कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता और सम्मानजनक सेवा भी प्राप्त होगी। अभिषेक पांडेय ने जनता से भावुक अपील करते हुए कहा कि अपने शहर की अर्थव्यवस्था और सम्मान को बनाए रखने के लिए इस मुहिम का हिस्सा बनें। यह अभियान केवल व्यापार बचाने का नहीं, बल्कि उदयपुर के सुनहरे भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास है।

अभियान के तहत नागरिकों से 'समर्थन पत्र' भी भरवाए जा रहे हैं, जिसमें वे अपनी प्राथमिकता स्थानीय व्यापारियों को देने की प्रतिज्ञा करेंगे। मंच के पदाधिकारियों का मानना है कि स्थानीय दुकानों को बढ़ावा देने से न केवल शहर का पैसा शहर में रहेगा, बल्कि ग्राहकों को बेहतर गुणवत्ता और सम्मानजनक सेवा भी प्राप्त होगी।

गणतंत्र दिवस पर 'मूवी मस्ती'

जैन सोशल ग्रुप्स ने एक साथ देखी 'बॉर्डर 2'

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन (नॉर्दर्न रीजन) द्वारा गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में रविवार, 25 जनवरी 2026 को 'मूवी मस्ती' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मानसरोवर स्थित गैलेक्सी सिनेमा में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में 'जैन सोशल ग्रुप संस्कार' ने आतिथ्य (होस्ट) की भूमिका निभाई। इस अवसर पर क्षेत्र के सभी ग्रुप्स के पदाधिकारियों ने ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर 2' का आनंद लिया।

प्रमुख उपस्थिति एवं सहभागिता

रीजन पीआरओ (एडमिन) श्री प्रेम कुमार जैन 'सिंघवी' ने जानकारी देते हुए बताया कि इस गरिमामयी आयोजन में नॉर्दर्न रीजन के अंतर्गत आने वाले लगभग 35 ग्रुप्स और 11 संगिनी फोरम के पदाधिकारियों ने शिरकत की। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, सह-सचिव और कोषाध्यक्ष सहित कुल 536 सदस्यों ने सपत्नीक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

मूवी शो के दौरान नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन श्री राजीव अनीला पाटनी एवं सचिव श्री रविंद्र रचना बिलाला सहित रीजन के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सभी का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में फेडरेशन व रीजन के पदाधिकारीगण, पूर्व चेयरमैन, इंटरनेशनल डायरेक्टर्स और विशेष आमंत्रित गणमान्य अतिथियों ने भी भाग लिया।

आतिथ्य ग्रुप का अभिनंदन

रीजनल टीम ने इस सफल आयोजन के लिए मेजबान ग्रुप 'जेएसजी संस्कार' के संस्थापक अध्यक्ष श्री महेंद्र सिंघवी, अध्यक्ष श्री अशोक लालवानी, सचिव श्रीमती श्वेता लुणावत और उनकी पूरी टीम का अभिनंदन किया। सभी पधारे हुए सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए इस सामूहिक मिलन को संगठन की एकता का प्रतीक बताया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग महिला अंचल की कोषाध्यक्ष

श्रीमती कल्पना एवं श्री प्रदीप जी

को वैवाहिक वर्षगांठ की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

शुभेच्छु
शकुंतला जैन बिंदायका अध्यक्ष
सुनीता गंगवाल, सचिव
उर्मिला जैन, कोषाध्यक्ष
एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल

शाकाहार और शांति के संदेश के साथ 'जेएसजी महानगर' का 51 सदस्यीय दल विदेश यात्रा पर रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप महानगर का 51 सदस्यीय दल सोमवार, 26 जनवरी 2026 को तीन देशों (हांगकांग, मकाऊ एवं शेन्जेन) की विदेश यात्रा के लिए रवाना हुआ। यह दल शांति और शाकाहार के वैश्विक प्रचार-प्रसार के संकल्प के साथ प्रातः 11:30 बजे महावीर नगर स्थित जैन मंदिर से प्रस्थान कर गया।

गणतंत्र दिवस पर देशभक्ति के बीच रवानगी

महानगर ग्रुप के अध्यक्ष श्री सुशील कासलीवाल एवं पूर्व अध्यक्ष श्री रवि प्रकाश जैन ने बताया कि गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर देशभक्ति के गीतों और उल्लास के बीच यात्रा का शुभारंभ हुआ। जेएसजी नॉर्दर्न रीजन के चेयरमैन श्री राजीव पाटनी एवं रीजन सचिव श्री रविंद्र बिलाला ने दल को हरी झंडी दिखाकर मंगल यात्रा हेतु रवाना किया।

पांचवीं विदेश यात्रा का हर्ष

कार्यक्रम के संयोजक श्री दिपेश छाबड़ा एवं श्री वीरेंद्र जैन ने जानकारी दी कि महानगर ग्रुप द्वारा आयोजित यह पांचवीं सफल विदेश यात्रा है। रवानगी से पूर्व महावीर नगर जैन मंदिर में सभी 51 सदस्यों का तिलक लगाकर और माला पहनाकर भव्य अभिनंदन किया गया।

शुभकामनाएं एवं अभिनंदन

यात्रा की सफलता हेतु महानगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष श्री प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष

श्री सी.एस. जैन, श्री सिद्धार्थ पाण्डया, श्री राजीव जैन, श्री संजय छाबड़ा एवं सचिव श्री विनीत जैन ने सभी सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस यात्रा के प्रबंधकीय पक्षों को श्री ईश्वर (रेमिटेक्स टूर्स) ने अंतिम रूप दिया है और विश्वास जताया कि यह यात्रा सभी सदस्यों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव रहेगी।

भामाशाहों ने दिखाई उदारता

नांदिया के सरकारी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

पिंडवाड़ा (सिरोही). शाबाश इंडिया। निकटवर्ती ग्राम नांदिया के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में सोमवार, 26 जनवरी 2026 को 77वां गणतंत्र दिवस धूमधाम और राष्ट्रीय उल्लास के साथ मनाया गया। देशभक्ति के गीतों और विद्यार्थियों के उत्साह से पूरा विद्यालय परिसर गुंजायमान रहा।

ध्वजारोहण एवं मार्च पास्ट

समारोह के मुख्य अतिथि के प्रतिनिधि, उपसरपंच सूजाराम सुथार ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता जोराराम देवासी उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता प्रधानाचार्य एवं पीईईओ देवेश कुमार खत्री द्वारा की गई। इस अवसर पर अतिथियों ने विद्यार्थियों द्वारा किए गए शानदार 'मार्च पास्ट' की सलामी ली। शारीरिक शिक्षक लक्ष्मण सिंह चौहान एवं नरेंद्र सिंह देवड़ा के निर्देशन में विद्यार्थियों ने अनुशासित पीटी परेड का प्रदर्शन किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

पीईईओ क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने एक से बढ़कर एक देशभक्तिपूर्ण और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। लोक नृत्यों और राष्ट्रभक्ति के गीतों पर विद्यार्थियों की प्रतिभा देख उपस्थित ग्रामीणों, शिक्षकों और भामाशाहों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।

भामाशाहों का सम्मान एवं नई घोषणाएं

विद्यालय के विकास में सहयोग देने वाले भामाशाहों हीरालाल माली, नारायण लाल घांची, रमेश कुमार घांची, भबूतमल घांची, नरेश कुमार रावल, चोपाराम देवड़ा, किशोर कुमार बंजारा, जोराराम देवासी और हंसाराम मीणा का विद्यालय परिवार द्वारा सम्मान किया गया।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस: मेधावी विद्यार्थी हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय एवं आदिनाथ पब्लिक स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में 77वां गणतंत्र दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि सिक्किम उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश नरेंद्र कुमार जैन रहे।

ध्वजारोहण एवं संवैधानिक मूल्यों पर चर्चा

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नरेंद्र कुमार जैन एवं संस्था के अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी (सेवानिवृत्त आईएएस) द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। संस्था के अध्यक्ष एवं मानद मंत्री महेश चंद्र जैन 'चांदवाड़' ने अतिथि को तिलक लगाकर, माला एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि ने विद्यार्थियों को गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराया और भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

प्रतिभाओं का सम्मान और गौरव गाथा

समारोह के दौरान वर्ष भर आयोजित साहित्यिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के विजयी विद्यार्थियों को स्मृति चिह्न, पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। विशेष रूप से केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 'अखिल भारतीय संस्कृत वाक् स्पर्धा' हेतु चयनित विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। इस वर्ष की 'बेस्ट हाउस ऑफ द ईयर' ट्रॉफी महावीर हाउस को मिली, जिसे प्रभारी सोमदत्त शर्मा ने ग्रहण किया। संस्था के मंत्री महेश चंद्र जैन 'चांदवाड़' ने महाविद्यालय की 140 वर्षों की गौरवशाली विकास यात्रा को साझा किया, वहीं अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य हेतु प्रोत्साहित किया।

सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं आभार: आदिनाथ पब्लिक स्कूल एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। स्कूल की आचार्या डॉ. पवना शर्मा ने सभी को राष्ट्रीय पर्व की शुभकामनाएं दीं। अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार जैन ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक रूप से मोदक वितरण के साथ हुआ।

सदैव सेवा पथ पर आगे बढ़ते रहें: आचार्य सुंदर सागर

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित थड़ी मार्केट की पावन धरा पर आयोजित भव्य दीक्षा महोत्सव के दौरान राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने आचार्य श्री 108 सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर जयपुर जैन समाज द्वारा श्री देवनानी को 'सर्व जन शुभंकर' की उपाधि से अलंकृत कर सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस पर राष्ट्रभक्ति का संकल्प

समारोह को संबोधित करते हुए श्री वासुदेव देवनानी ने कहा, ₹भारत देश न कभी रुका है और न कभी रुकेगा। गणतंत्र दिवस के इस पावन पर्व पर हम सभी को यह प्रतिज्ञा लेनी चाहिए कि हमारा जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पित हो।₹ उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'अतुल्य भारत' के स्वप्न को साकार करने के लिए सभी से मिल-जुलकर प्रयास करने का आह्वान किया।

दिगंबर संतों की कठिन साधना को नमन

श्री देवनानी ने कड़ाके की इस ठंड में दिगंबर संतों की कठोर साधना पर अपनी श्रद्धा प्रकट करते हुए कहा कि इतने विशाल संघ के दर्शन करना उनका सौभाग्य है। आचार्य सुंदर सागर जी ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए निरंतर समाज और राष्ट्र की निस्वार्थ सेवा करने का मंगल संदेश दिया।

दीक्षा महोत्सव: जैनेश्वरी दीक्षा संपन्न

आचार्य सुंदर सागर जी महाराज ने इस मांगलिक अवसर पर देशना दीदी और ऊषा दीदी को जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की। दीक्षा समारोह के दौरान पूरा वातावरण वैराग्य और भक्ति के रंग में सराबोर नजर आया।

सम्मान एवं सहभागिता

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर समिति, थड़ी मार्केट के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का कुशल संचालन संदीप बोहरा (अजमेर) ने किया। समारोह में जयपुर जैन समाज के सुनील जैन (लोहे वाले), अशोक जैन, सुमति प्रकाश जैन, महावीर जैन, प्रसिद्ध संगीतकार संदीप बोहरा, महीप जैन, सिद्ध सेठी, अतुल जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पदमपुरा पंचकल्याणक महोत्सव

विधि-विधान के साथ मुख्य पांडाल का निर्माण कार्य शुरू

बाड़ा पदमपुरा/जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पद्मप्रभु दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में आचार्य श्री 108 वर्धमान सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य एवं गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्ति भूषण माताजी की पावन प्रेरणा से 18 से 22 फरवरी तक आयोजित होने वाले 'भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' की तैयारियां तेज हो गई हैं। सोमवार, 26 जनवरी (अष्टमी) के शुभ मुहूर्त में महोत्सव के मुख्य पांडाल का निर्माण कार्य विधि-विधान के साथ प्रारंभ हुआ।

स्वस्तिक पूजन और पांडाल की रूपरेखा

आयोजन समिति के इंजीनियर प्रेम चंद छाबड़ा ने बताया कि पांडाल निर्माण के शुभारंभ अवसर पर सर्वप्रथम भगवान पद्मप्रभु के चरणों में मंगल दीप प्रज्वलित कर श्रीफल अर्पित किया गया। इसके पश्चात विद्वान पंडित अनिल शास्त्री ने पांडाल स्थल के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में स्वस्तिक पूजन कर निर्माण कार्य की नींव रखी। निर्माण कर्ता महावीर कसेरा ने बताया कि क्षेत्र पर 130x230 फीट का विशाल मुख्य पांडाल और 130x40 फीट का भव्य मुख्य द्वार बनाया जा रहा है। इसके साथ ही इंद्र सभा, राजा का महल, पांडुक शिला और सुव्यवस्थित भोजनशाला

का निर्माण भी युद्ध स्तर पर किया जाएगा।

आगामी कार्यक्रम

मंगल प्रवेश और मोक्ष कल्याणक: क्षेत्र के मंत्री हेमंत सोगानी ने जानकारी दी कि फरवरी के प्रथम सप्ताह में आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज एवं आर्यिका श्री स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का मंगल प्रवेश पदमपुरा की धरा पर होगा। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव में देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। महोत्सव से पूर्व 5 फरवरी को भगवान पद्मप्रभु का मोक्ष कल्याणक दिवस भी क्षेत्र पर बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां भी अंतिम चरण में हैं।

प्रमुख उपस्थिति: पांडाल शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्र के मंत्री हेमंत सोगानी, योगेश टोडरका, पदम जैन बिलाला, मैनेजर प्रकाश सेठी, विनोद जैन, विजय जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जवाहर नगर जैन मंदिर में हर्षोल्लास के साथ हुआ ध्वजारोहण; खीर वितरण कर मनाया गणतंत्र दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की राजधानी के जवाहर नगर स्थित भव्य जैन श्वेतांबर मंदिर परिसर में सोमवार को 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर 'राष्ट्राभिनंदन एवं ध्वजारोहण' का गरिमामयी कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय पर्व पर संपूर्ण जैन समाज ने एकजुट होकर तिरंगे को सलामी दी और राष्ट्र की समृद्धि की कामना की।

शान और शौकत के साथ फहराया तिरंगा

समारोह के मुख्य चरण में श्वेतांबर जैन संघ के अध्यक्ष श्री उम्मेद जी मुसल ने समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ ध्वजारोहण किया। जैसे ही तिरंगा आकाश में लहराया, पूरा परिसर 'जन-गण-मन' के सामूहिक गान और 'भारत माता की जय' के उद्घोष से गुंजायमान हो गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने ध्वज का अभिनंदन कर संवैधानिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। जवाहर नगर संघ की अपनी अनूठी परंपरा को जीवित रखते हुए, इस वर्ष भी ध्वजारोहण के पश्चात सभी के लिए 'खीर

वितरण' का कार्यक्रम रखा गया। श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने बड़े उत्साह के साथ इस प्रसादी का आनंद लिया।

एम्बिशन किड्स एकेडमी में गणतंत्र दिवस एवं वार्षिक खेलकूद दिवस का संगम; प्रतिभाएं हुईं सम्मानित

सांगानेर. शाबाश इंडिया

श्योपुर रोड स्थित एम्बिशन किड्स एकेडमी के प्रांगण में सोमवार को 'गणतंत्र दिवस' एवं 'वार्षिक खेलकूद दिवस' का भव्य आयोजन किया गया। देशभक्ति के तरानों और खेल के मैदान में विद्यार्थियों के जोश ने पूरे वातावरण को ऊर्जावान बना दिया।

ध्वजारोहण एवं सांस्कृतिक राष्ट्रवंदन

समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि, प्रसिद्ध होम्योपैथी चिकित्सक डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' एवं डॉ. शांति मणि द्वारा माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। मुख्य अतिथियों ने ध्वजारोहण किया, जिसके पश्चात सामूहिक राष्ट्रगान की गूँज से परिसर ओतप्रोत हो गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीतों और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से संविधान के मूल मंत्रों—एकता, अनुशासन और कर्तव्य की सुंदर प्रस्तुति दी।

खेल के मैदान में कौशल

सांस्कृतिक उत्सव के उपरांत वार्षिक खेलकूद दिवस का आयोजन हुआ। नन्हे खिलाड़ियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अदम्य साहस और उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। दौड़, लंबी कूद और अन्य टीम खेलों में विद्यार्थियों का अनुशासन और आत्मविश्वास देखते ही बना।

सर्वांगीण विकास पर जोर

विद्यालय की प्राचार्या डॉ. अलका जैन एवं उप-प्राचार्या अनीता जैन ने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अनिवार्य हैं। विद्यालय के निदेशक डॉ. मनीष जैन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों में राष्ट्रप्रेम और आत्मविश्वास का संचार करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम की सफलता के लिए अभिभावकों और शिक्षकवृंद का आभार जताया।

सम्मान और पुरस्कार वितरण

समारोह के समापन पर खेलकूद और शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र एवं पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया।

गणतंत्र दिवस पर मानवता की सेवा: दिगम्बर जैन महासमिति ने सरकारी स्कूल के 105 बच्चों को भेंट किए बैग

सांगानेर (जयपुर). शाबाश इंडिया

77वें गणतंत्र दिवस के गौरवपूर्ण अवसर पर दिगम्बर जैन महासमिति (सांगानेर संभाग) द्वारा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, बम्बाला में एक विशेष सेवा प्रकल्प का आयोजन किया गया। महासमिति के पदाधिकारियों ने विद्यालय के 105 विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित कर उनके चेहरों पर मुस्कान बिखेरी।

शिक्षण सामग्री से बढ़ा बच्चों का उत्साह

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित संभाग अध्यक्ष कैलाशचन्द्र मलैया ने तिरंगा फहराने के पश्चात विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने उद्बोधन में गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला और बच्चों को जीवन में स्वच्छता अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों और छात्र-छात्राओं द्वारा कार्यक्रम की भव्य तैयारी के लिए उनकी मुक्तकंठ से सराहना की।

इन पदाधिकारियों ने बढ़ाया हाथ

विद्यार्थियों को बैग वितरण करने वालों में संभाग के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार झांझरी, मंत्री डॉ. अरविन्द कुमार जैन, पदमचन्द अजमेरा, पवन कुमार जैन एवं श्रीमती सुमन सेठी प्रमुख रूप से शामिल रहे। महासमिति के सदस्यों ने बच्चों को शिक्षा के प्रति निरंतर समर्पित रहने के लिए प्रोत्साहित किया।

भव्य स्वागत एवं आभार

कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती पूनम भाटिया एवं समस्त शिक्षकवृंद ने महासमिति के सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। प्रधानाध्यापिका ने महासमिति की इस पहल को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक सार्थक कदम बताया और सभी दानदाताओं का आभार व्यक्त किया।

देशभक्ति के रंग में रंगा 77वाँ गणतंत्र दिवस

महावीर शिक्षा परिषद् के संस्थानों ने दिखाई 'विकसित भारत' की झलक

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में 77वाँ गणतंत्र दिवस अभूतपूर्व जोश और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधिपति श्री चंद्र प्रकाश श्रीमाली रहे, जिनका एन.सी.सी. विंग द्वारा 'गार्ड ऑफ ऑनर' के साथ भव्य स्वागत किया गया।

शान से फहराया तिरंगा और परेड का निरीक्षण

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ। राष्ट्रध्वज को सलामी देने के पश्चात न्यायाधिपति श्रीमाली ने परेड का निरीक्षण किया। संस्था के अध्यक्ष श्री उमराव मल सांघी, मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी सहित कार्यकारिणी सदस्यों ने मुख्य अतिथि का साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। सभी संस्थानों के प्राचार्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया।

सांस्कृतिक और साहसिक गतिविधियों का संगम

संस्था के सदस्यों और मुख्य अतिथि ने आकाश में रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़कर उन्नत एवं विकसित भारत की संवैधानिक शक्ति का संदेश दिया। इसके उपरांत विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया:

मार्च पास्ट एवं बैंड: अनुशासित मार्च पास्ट और बैग पाइप बैंड की धुन ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कला एवं कौशल: देशभक्ति गीत, नृत्य, योगा प्रदर्शन और स्केटिंग के साथ-साथ आत्म-रक्षा के हैरतअंगेज प्रदर्शन ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

सर्वांगीण विकास और चरित्र निर्माण पर जोर

मानद् मंत्री श्री सुनील बख्शी ने संस्थान की शैक्षिक व सह-शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। संस्थाध्यक्ष श्री उमराव मल सांघी ने अपने उद्बोधन में कहा कि परिषद् का मूल उद्देश्य केवल किताबी ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। उन्होंने युवा पीढ़ी से एक श्रेष्ठ राष्ट्र के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। मुख्य अतिथि न्यायाधिपति श्रीमाली ने विद्यार्थियों के कौशल की प्रशंसा करते हुए उन्हें आशीर्वचन प्रदान किए। उन्होंने आधुनिक युग में तकनीक के साथ-साथ उच्च चरित्र निर्माण और नैतिक मूल्यों को अपनाने पर विशेष बल दिया।

सम्मान एवं आभार

समारोह के दौरान विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यकारिणी परिषद् द्वारा मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट किया गया। अंत में महावीर पब्लिक स्कूल की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक राष्ट्रगान के साथ हुआ।

वंचित बच्चों की तूलिका से सजी गणतंत्र की तस्वीर

न्यारो कैफे में लाइव पेंटिंग के जरिए उभरी सशक्त भारत की भावना

उदयपुर. शाबाश इंडिया

गणतंत्र दिवस के अवसर पर शहर के पंचवटी स्थित न्यारो कैफे में वंचित बच्चों की रचनात्मकता और देशभक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस दौरान पिछड़े क्षेत्रों से आए 16 बच्चों ने स्केच कलर्स के माध्यम से लाइव पेंटिंग तैयार की, जिसमें गणतंत्र की सशक्त तस्वीर उभरकर सामने आई। किसी के कैनवास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नजर आए, तो किसी ने महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस और राष्ट्रीय पक्षी मोर जैसे प्रतीकों को उकेरा। जब इन सभी चित्रों को एक साथ जोड़ा गया, तो एक ऐसा भारत सामने आया जो बलिदान, संविधान और आत्मगौरव की भावना से ओतप्रोत था। न्यारो कैफे के संचालक वैभव जोशी ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य इन बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा को एक मंच प्रदान करना और गणतंत्र दिवस की मूल भावना को समाज तक पहुंचाना था। इस अवसर पर बच्चों के लिए विशेष लंच और हाई-टी की व्यवस्था भी की गई, ताकि वे पूरे दिन आत्मीय माहौल में कला का आनंद ले सकें। कार्यक्रम में आकृति फाउंडेशन और प्रोफाउंड ह्यूज का विशेष सहयोग रहा। बच्चों ने न केवल देशभक्ति से जुड़ी पेंटिंग्स बनाईं, बल्कि हाथों में तिरंगा लहराते हुए पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया। मुख्य अतिथि आर.के. हॉस्पिटल के तरुण अग्रवाल ने बच्चों की कृतियों का अवलोकन करते हुए कहा कि संसाधनों की कमी के बावजूद इन बच्चों के हाथों में अद्भुत हुनर है। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रिपोर्ट व फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

शिक्षक मयंक जैन 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026' से सम्मानित

अलीगढ़. शाबाश इंडिया

मंगलायतन विश्वविद्यालय के शिक्षक मयंक जैन को राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित एक भव्य समारोह में प्रतिष्ठित 'राष्ट्रीय गौरव पुरस्कार 2026' से नवाजा गया है। जयपुर इंटरनेशनल सेंटर के सभागार में गणतंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में उन्हें शिक्षा क्षेत्र में सराहनीय योगदान, उच्च शैक्षणिक मानदंडों और समाज सेवा के प्रति उनके समर्पण के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। मूल रूप से अशोकनगर (म.प्र.) के निवासी मयंक जैन विगत 10 वर्षों से मंगलायतन विश्वविद्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। शिक्षा और शोध के क्षेत्र में उनकी सक्रियता और विद्यार्थियों के प्रति उत्कृष्ट मार्गदर्शन ने उन्हें इस राष्ट्रीय सम्मान का पात्र बनाया है। यह पुरस्कार उन्हें पूर्व सैनिकों द्वारा संचालित प्रतिष्ठित संस्था वाईएसएस फाउंडेशन के चेयरमैन कमल चौधरी, कैप्टन आर.सी. त्रिपाठी और कैप्टन मुकेश कुमार के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया गया। मयंक जैन की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पी.के. दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर प्रो. सुमर वीर सिंह और संयुक्त कुलसचिव प्रो. दिनेश शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जितेंद्र सिंह और डॉ. मनीषा उपाध्याय ने भी इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का क्षण बताया। अपनी सफलता पर आभार व्यक्त करते हुए मयंक जैन ने कहा कि यह सम्मान उन्हें विश्वविद्यालय के प्रेरणादायी वातावरण और अपने परिवार–माता-पिता, भाई, धर्मपत्नी व पुत्री मर्मिका के सहयोग एवं स्नेह से प्राप्त हुआ है। मयंक जैन की इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय परिवार और उनके गृह नगर अशोकनगर में खुशी की लहर है।

परेट मंदिर और पुस्तक बाजार में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न

भिंड. शाबाश इंडिया। पुस्तक बाजार स्थित परेट मंदिर में जैन मिलन अरिहंत, भिंड के तत्वावधान में 77वें गणतंत्र दिवस का आयोजन पूरे उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष अजित जैन 'सोनू' द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उपस्थित जनसमूह ने राष्ट्रध्वज को सलामी दी और भारत माता के जयकारों के साथ आकाश गुंजायमान कर दिया। अध्यक्ष अजित जैन सोनू ने अपने संबोधन में कहा कि ₹77वां गणतंत्र दिवस भारत के लंबे संवैधानिक सफर और लोकतंत्र की अटूट शक्ति का प्रतीक है। यह पर्व हमारी सामाजिक तरक्की और विविधता में एकता की संस्कृति को प्रदर्शित करता है।₹ उन्होंने आगे कहा कि देश के हर कोने की तरह जैन मिलन परिवार ने भी इस राष्ट्रीय पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया है।

कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिति

इस गरिमामय अवसर पर जैन मिलन के राष्ट्रीय पदाधिकारी व वृक्षारोपण संयोजक शाह विमलचंद जैन, उपमंत्री राकेश जैन 'बच्चू', क्षेत्रीय धार्मिक कार्य समिति चेयरमैन स्नेहलता जैन, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य अतिवीर राजेंद्र जैन (वकील), मंत्री विकास जैन, रजत जैन, उदित जैन एवं नीरज जैन (किराना) विशेष रूप से उपस्थित रहे। साथ ही परेट मंदिर समिति के अध्यक्ष छेदीलाल जैन, कोषाध्यक्ष बसंतलाल जैन (परा वाले), राजेंद्र जैन (मुनीम) सहित समाज के अनेक गणमान्य पदाधिकारी एवं श्रद्धालु कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। ध्वजारोहण के पश्चात धर्मसभा का आयोजन किया गया, जिसमें वक्ताओं ने जैन धर्म के सिद्धांतों–अहिंसा, सत्य और सेवा भाव–का राष्ट्र निर्माण में महत्व रेखांकित किया। संपूर्ण कार्यक्रम शांतिपूर्ण और श्रद्धामय वातावरण में संपन्न हुआ।

रिपोर्ट: सोनल जैन, भिंड

श्री जे.डी. जैन विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया 77वां गणतंत्र दिवस

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और देशभक्ति के नारों से गूंजा पलटन गेट क्षेत्र

भिंड. शाबाश इंडिया

शिक्षा नगरी के श्री जे.डी. जैन विद्यालय (पलटन गेट) में राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत 77वां गणतंत्र दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह आयोजन एक ऐसे सशक्त गणतंत्र का उत्सव था जो हमें एकजुटता और सुरक्षा का बोध कराता है। अतिथियों का स्वागत और दीप प्रज्वलनः कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था अध्यक्ष श्री कमलकुमार पहाड़िया, उपाध्यक्ष श्री लालचंद जैन, सचिव श्री संतोषकुमार पहाड़िया, कोषाध्यक्ष श्री सुभाषचन्द पहाड़िया एवं प्रधानाध्यापिका श्रीमती शशि सोनी ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष श्री विनोदकुमार-उषा झांझरी, मुख्य अतिथि श्री सुभाषचन्द गंगवाल, विशिष्ट अतिथि महावीर इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सीए अनिल कुमार-उषा जैन (दिल्ली) सहित कई गणमान्य अतिथियों ने सरस्वती पूजन व दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। सचिव संतोष पहाड़िया ने बताया कि विद्यालय कार्यकारिणी द्वारा सभी अतिथियों का तिलक लगाकर और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले अमर शहीदों को भावपूर्ण सलामी देते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस हमारे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति निष्ठा दोहराने का दिन है।

विशेष सम्मान और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

समारोह के दौरान संस्था अध्यक्ष श्री कमलकुमार पहाड़िया व सचिव श्री संतोषकुमार पहाड़िया को विद्यालय में 50 वर्षों की निरंतर निःस्वार्थ सेवाओं और मार्गदर्शन के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने शारीरिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत की गई परेड, पीटी, डम्बल प्रदर्शन, बैंड प्रस्तुति और देशभक्तिपूर्ण नाटकों की शहरवासियों और अतिथियों ने मुक्तकंठ से प्रशंसा की। अशोक अजमेरा के अनुसार, इस अवसर पर ज्ञानचन्द जैन, अशोक बज, प्रवीणकुमार जैन, विपिन पहाड़िया, दीपक झांझरी, कैलाशचन्द पांड्या, नंदकिशोर बिडसर, अमित जैन, सम्पत बगडिया, सुनील शेखराजका, विजय पारीक, संदीप पांड्या, नितेश जैन, अर्पित पहाड़िया सहित भारी संख्या में अभिभावक और गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अजय जैन एवं सुश्री गुंजन सोनी द्वारा किया गया। अंत में प्रधानाध्यापिका ने सभी का आभार व्यक्त किया और राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर ने धूमधाम से मनाया गणतंत्र दिवस

गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

जयपुर. शाबाश इंडिया

लायंस क्लब जयपुर आदर्श नगर ने अपनी गौरवशाली परंपरा का निर्वहन करते हुए इस वर्ष भी 77वां गणतंत्र दिवस समारोह अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। कार्यक्रम का आयोजन किरण पथ, मानसरोवर स्थित गवर्नमेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल के प्रांगण में किया गया। समारोह के दौरान क्लब के अध्यक्ष राजेश पारीक एवं सचिव महेंद्र बैराठी द्वारा ध्वजारोहण किया गया। तिरंगा फहराने के पश्चात स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का एक खूबसूरत 'गुलदस्ता' पेश किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए गीतों और नृत्यों की शानदार प्रस्तुति ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया और पूरा वातावरण देश प्रेम के रंग में सराबोर हो गया। इस अवसर पर क्लब की ओर से बच्चों को मिठाई वितरित कर उत्सव की खुशियां बांटी गईं। साथ ही, सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाते हुए क्लब ने विद्यालय परिसर में सीसीटीवी सेट लगवाने की घोषणा की, ताकि विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम के अंत में अजय सक्सेना एवं योगेंद्र गुप्ता ने उपस्थित सभी क्लब सदस्यों, विशेषकर मातृशक्ति का कार्यक्रम को सफल बनाने में उनके सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

राजकीय विद्यालय के 52 विद्यार्थियों को भेंट किए गए स्वेटर

महासमिति अजमेर संभाग और महिला इकाई की अनूठी सेवा पहल

नसीराबाद/अजमेर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति अजमेर संभाग, महिला एवं युवा महिला संभाग द्वारा कड़कड़ाती ठंड के बीच मानवता की सेवा की मिसाल पेश की गई। महासमिति के संरक्षक राकेश पालीवाल एवं राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी के सहयोग से राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, ग्राम देराठू के 52 जरूरतमंद विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर भेंट किए गए।

ठंड में बच्चों को मिला संबल

महासमिति के संभाग अध्यक्ष अतुल पाटनी ने बताया कि विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन सागर सोनी ने जानकारी दी थी कि विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करने आ रहे अधिकांश बच्चे भीषण ठंड के बावजूद बिना गर्म कपड़ों के स्कूल पहुंच रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए, देराठू ग्राम की सामाजिक कार्यकर्ता रेखा जैन

के सानिध्य में एक कार्यक्रम आयोजित कर इन सभी 52 बच्चों को स्वेटर प्रदान किए गए।

उपस्थिति और आभार

इस सेवा कार्य के अवसर पर ग्राम सरपंच विजेंद्र सिंह, पूर्व सरपंच दिनेश चौधरी, विद्यालय के प्रधानाचार्य नवीन सागर सोनी, इंचार्ज सुषमा सोनी, वरिष्ठ अध्यापक मोतीलाल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक और गणमान्य ग्रामवासी उपस्थित रहे। संस्था प्रधान सोनी ने महासमिति के इस पुनीत कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि संस्था भविष्य में भी विद्यालय के जरूरतमंद विद्यार्थियों को इसी प्रकार संबल प्रदान करती रहेगी।

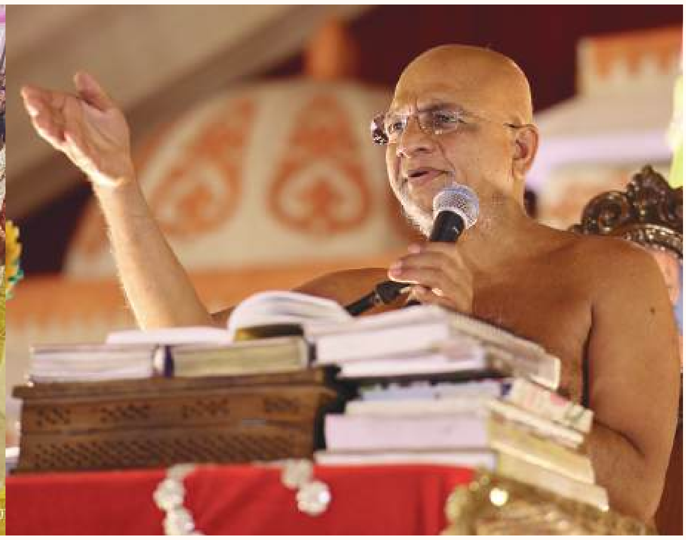

जयपुर में पहली बार दिगंबर जैन चतुर्विध संघ के सानिध्य में 'श्री चारित्र शुद्धि महामंडल विधान' प्रारंभ

5700 श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से की पूजा-अर्चना, आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने दिया अहिंसा का संदेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म ने आचार और विचार के क्षेत्र में विश्व को महत्वपूर्ण उपलब्धियां दी हैं। अहिंसा का परिपालन इस धर्म का केंद्र बिंदु है। संयम, तप और त्यागमयी जीवन शैली जैन धर्म की अनुपम विशेषताएं हैं। ये उद्गार अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने मंगलवार को मानसरोवर स्थित वीटी रोड (शिप्रा पथ) के हाउसिंग बोर्ड ग्राउंड पर व्यक्त किए। यहाँ दिगंबर जैन चतुर्विध संघ के सानिध्य में आठ दिवसीय भगवत जिनेंद्र महा अर्चना महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

पूजा से आना चाहिए जीवन में परिवर्तन

आचार्य श्री ने चारित्र शुद्धि विधान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पूजा विधान केवल द्रव्य चढ़ाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इससे जीवन में वास्तविक परिवर्तन आना चाहिए। उन्होंने बताया कि इस विधान में कुल 1234 अर्घ्य समर्पित किए जाएंगे। इससे पूर्व उपाध्याय पीयूष सागर महाराज ने कहा कि मोक्ष मार्ग की श्रेष्ठतम सौगात केवल मानव पर्याय को ही मिली है।

पुण्यार्जन और धार्मिक अनुष्ठान

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रतिष्ठाचार्य ब्र. तरुण भैया (इंदौर) के निर्देशन में श्रीजी के अभिषेक और शांतिधारा के साथ हुआ। भक्तों ने सुख-समृद्धि की कामना करते हुए सामूहिक शांतिधारा की। इसके बाद 'चारित्र शुद्धि महामंडल विधान' की समुच्चय पूजा की गई। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से अहिंसा, सत्य, अचौर्य और ब्रह्मचर्य महाव्रत की पूजा करते हुए अष्ट द्रव्य समर्पित किए।

साधना का महासंगम

कोषाध्यक्ष कैलाश चंद छाबड़ा ने बताया कि साधना महोदधि आचार्य प्रसन्न सागर महाराज (जिन्होंने 557 दिन की मौन साधना और 12 हजार से अधिक उपवास किए हैं) के सानिध्य में 13 साल बाद जयपुर में यह भव्य अनुष्ठान हो रहा है। समारोह में अध्यक्ष सुभाष चंद जैन, महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा, प्रदीप जैन, अशोक जैन नेता, हरीश धाडूका सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और श्रद्धालु उपस्थित रहे। शाम को 108 दीपकों से महाआरती और गुरु भक्ति का भव्य आयोजन हुआ।

विशेष आकर्षण: विवाह अणुव्रत संस्कार शिविर

आचार्य श्री के सानिध्य में रविवार, 1 फरवरी को जयपुर में पहली बार 'विवाह अणुव्रत संस्कार शिविर' आयोजित होगा। इसमें 5 से 25 वर्ष तक का वैवाहिक जीवन बिताने वाले दंपतियों को आपसी सामंजस्य, रिश्तों की मजबूती और सफल जीवन के मंत्र बताए जाएंगे।

क्या है चारित्र शुद्धि व्रत और विधान?

महत्वः जीवन के पापों को धोने और चारित्रिक दोषों को दूर करने के लिए यह विधान अत्यंत फलदायी माना गया है।

व्रत विधिः इसमें कुल 1234 उपवास या व्रत करने का विधान है। उत्कृष्ट रूप में यह 6 वर्ष 10 माह और 8 दिन में पूर्ण होता है। इस आठ दिवसीय आयोजन में कुल 14 पूजाएं होंगी, जिनमें 1234 अर्घ्य समर्पित कर मंडल पर धर्म ध्वजाएं चढ़ाई जाएंगी।

जीवन शैलीः व्रत के दौरान असंयम के कार्य, श्रृंगार, टीवी और हिंसक पदार्थों का त्याग कर स्वाध्याय एवं सात्विक जीवन का पालन किया जाता है।

अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा के अध्यक्ष रमेश चन्द्र गुप्ता ने 'वंदे मातरम' डॉक्युमेंट्री का किया ऑनलाइन लोकार्पण

जयपुर/कोलकाता. शाबाश इंडिया

अखिल भारतीय खंडेलवाल वैश्य महासभा एवं अखिल भारतीय खंडेलवाल सुमधुरा सखी सहेली मंच के संयुक्त तत्वावधान में 23 जनवरी 2026, शुक्रवार को बसंत पंचमी एवं खंडेलवाल दिवस के अवसर पर 'वंदे मातरम' पर आधारित एक डॉक्युमेंट्री फिल्म का ऑनलाइन लोकार्पण किया गया। करीब आठ मिनट चालीस सेकंड की इस डॉक्युमेंट्री का लोकार्पण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रमेश चन्द्र गुप्ता (तूँगा वाले) ने किया। यह डॉक्युमेंट्री सखी सहेली मंच की कोलकाता इकाई की सुचेता संकूनिया द्वारा निर्मित है। इसकी स्क्रिप्ट सुधा रावत ने लिखी है, जबकि परिकल्पना और निर्देशन मधु खंडेलवाल का है। वीडियोग्राफी एवं एडिटिंग का कार्य मधु काठ एवं अर्चना झालानी ने बखूबी संभाला है। सखी सहेली मंच की संयोजक मधु खंडेलवाल ने बताया कि इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश चन्द्र गुप्ता ने देश भर की 130 शाखाओं के पदाधिकारियों को साधुवाद देते हुए कहा कि यह डॉक्युमेंट्री देशप्रेम की भावना को जीवंत करती है, जिससे हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। मधु खंडेलवाल ने मंच की विकास यात्रा और आगामी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि संगठन ने 'वंदे मातरम' पर 60 से अधिक वीडियो बनवाए हैं, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। कार्यक्रम का शुभारंभ रश्मि ठाकुरिया द्वारा माँ सरस्वती एवं राष्ट्रीय संत श्री श्री 1008 सुंदर दास जी महाराज के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। समारोह में महासभा के मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष संजीव कट्टा, पत्रिका के प्रधान संपादक राम निरंजन खुटेटा, और सिक्किम प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के कुलसचिव एवं महासभा के प्रवक्ता प्रोफेसर रमेश कुमार रावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने इस रचनात्मक कार्य की सराहना करते हुए भविष्य में भी देशभक्ति पर आधारित ऐसे आयोजनों की आवश्यकता पर बल दिया। राष्ट्रीय युवा संयोजक शरद फरसोइया ने कहा कि यह डॉक्युमेंट्री युवाओं में देशभक्ति का संचार करेगी।

विशिष्ट उपस्थिति

इस ऑनलाइन आयोजन में राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात सहित कोलकाता, दिल्ली, अहमदाबाद, हैदराबाद और रतलाम जैसे प्रमुख शहरों से संजीव कुमार, मनोज झालानी, सरोज तुंगावाला, सविता कूलवाल, मीना नाटाणी, शिखा नाटाणी, कृष्णा कानूनगो, डॉ. ऊषा तांबी सहित अनेक पदाधिकारियों और आजीवन सदस्यों ने भाग लिया और इस पहल की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

जैन समाज के पाँच सिद्धांत देश और समाज को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते हैं: भूपेन्द्र यादव

अलवर में 'जैन समाज सम्मान समारोह' आयोजित, 'जैन आइकॉन्स' पुस्तक का विमोचन

अलवर. शाबाश इंडिया

केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि जैन समाज के पाँच सिद्धांत (अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह) केवल व्यक्तिगत जीवन तक सीमित नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्र और समाज के उत्थान की नींव हैं। ये सिद्धांत मनुष्य को सात्विक, अनुशासित और मूल्यनिष्ठ जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। केन्द्रीय मंत्री अलवर के कटीघाटी स्थित आरजी बिल्खा रिसोर्ट में 'मिशन सच नेटवर्क' द्वारा आयोजित 'जैन समाज सम्मान समारोह' में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि राजस्थान के वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा रहे, जबकि अध्यक्षता 'समाचार प्लस' चैनल के चेयरमैन संजय शर्मा ने की।

'जैन आइकॉन्स' पुस्तक की सराहना: भूपेन्द्र यादव ने मिशन सच नेटवर्क द्वारा प्रकाशित पुस्तक 'जैन आइकॉन्स' की प्रशंसा करते हुए कहा कि इसमें समाज की विभिन्न प्रतिभाओं की प्रेरक कहानियाँ संकलित हैं। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए व्यक्ति को पहले स्वयं में एक गुण विकसित करना चाहिए। एक गुण के परिपक्व होने पर शेष गुण स्वतः विकसित होने लगते हैं। संजय शर्मा विशिष्ट अतिथि और कैबिनेट मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि जैन समाज सदैव अन्य समाजों का मार्गदर्शक रहा है। इसके नियम न केवल बेहतर जीवन शैली सिखाते हैं, बल्कि उत्तम स्वास्थ्य और अनुशासन का मार्ग भी प्रशस्त करते हैं। उन्होंने कहा कि जैन समाज ने सदैव समाज को दिया है और जिस कार्य का संकल्प लिया, उसे पूरा किया।

घोषणाएं: मंत्री संजय शर्मा ने घोषणा की कि अलवर में तिजारा रोड पर भगवान महावीर के नाम से एक भव्य प्रवेश द्वार (गेट) और बहरोड़ रोड पर एक अन्य गेट का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही शहर के अन्य प्रवेश द्वारों का नामकरण भी ईश्वर के नाम पर होगा। उन्होंने अलवर को स्वच्छता, स्वास्थ्य और सुरक्षा में अग्रणी बनाने का संकल्प भी दोहराया।

प्रमुख उपस्थिति: कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व विधायक रामहेत यादव, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, महासिंह चौधरी और सरस डेयरी के चेयरमैन नितिन सांगवान भी उपस्थित रहे। मिशन सच नेटवर्क के डायरेक्टर राजेश रवि ने अतिथियों का स्वागत किया और संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ पत्रकार जिनेश जैन, प्रमोद मलिक, उद्योगपति शशांक झालानी एवं प्रदीप पंचोली ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रदीप पंचोली ने किया और आभार प्रेम पाठक ने व्यक्त किया।

तीर्थंकर ग्रुप की एक दिवसीय धार्मिक यात्रा संपन्न

बोलखेड़ा और भुसावर अतिशय क्षेत्र के दर्शन कर सदस्यों ने लिया आशीर्वाद

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'तीर्थंकर' जयपुर के सदस्यों ने मैना देवी पाटनी के संयोजन में एक दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन किया। यात्रा का शुभारंभ जयपुर के दुर्गापुरा जैन मंदिर में दर्शन और गणनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी के संघ से आशीर्वाद लेकर हुआ।

बोलखेड़ा अतिशय क्षेत्र

श्रद्धा और शांति का केंद्र जयपुर से करीब 215 कि.मी. दूर कामां (भरतपुर) के निकट स्थित अतिशय क्षेत्र बोलखेड़ा जी पहुंचने पर सदस्यों ने एक छोटी पहाड़ी पर स्थित मंदिरों के दर्शन किए। इस क्षेत्र का हालिया विकास आचार्य वसुनंदी जी महाराज की प्रेरणा और आशीर्वाद से हुआ है। यहाँ मुख्य आकर्षण:

प्राचीन शांतिनाथ मंदिर: यहाँ भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा के साथ चारों ओर मनमोहक चौबीसी विराजमान है।

विशाल मानस्तंभ: मंदिर के बाहर पंच-स्तंभीय मानस्तंभ स्थापित है।

नवनिर्मित मंदिर: आचार्य वसुनंदी जी की प्रेरणा से यहाँ छह अन्य विशाल मंदिर बने हैं, जिनमें पद्मासन और खड्गासन प्रतिमाएं सुशोभित हैं।

जम्बूस्वामी तपोस्थली: यहाँ भगवान जम्बूस्वामी की तपोस्थली का भी एक मंदिर है। यहाँ यात्रियों के लिए उत्तम भोजनालय की व्यवस्था है, जहाँ सभी ने स्वल्पाहार और भोजन ग्रहण किया।

भुसावर अतिशय क्षेत्र: प्राचीनता और नवीनता का संगम तत्पश्चात समूह भुसावर अतिशय क्षेत्र के लिए रवाना हुआ। यहाँ भगवान आदिनाथ के प्राचीन मंदिर के दर्शन किए गए। मुनि 108 युधिष्ठिर सागर महाराज के आशीर्वाद से इस मंदिर का कायाकल्प कर इसे पूर्णतः संगमरमर (मार्बल) से निर्मित किया गया है। मंदिर के निचले तल पर क्षेत्रपाल बाबा का स्थान बनाया गया है। महाराज के सानिध्य में यहाँ भव्य संतशाला और भोजनालय का भी निर्माण हुआ है। यह क्षेत्र जयपुर-आगरा हाईवे पर स्थित है। यात्रा के अंत में सभी सदस्यों ने मुनिश्री का आशीर्वाद प्राप्त किया और सायं कालीन भोजन के उपरांत जयपुर के लिए प्रस्थान किया। तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जैन 'मणि' ने सफल यात्रा के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

जहाँ दिगंबर जैन संतों के चरण पड़ते हैं, वह स्थान तीर्थ बन जाता है : आचार्य वर्धमान सागर

निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज, निवाई के तत्वावधान में 'भारत गौरव' एवं स्वस्ति धाम प्रणेता गणिनी आर्यिका 105 स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ का मंगलवार को गाजे-बाजे के साथ मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज ने चरण प्रक्षालन कर माताजी की भव्य अगवानी की। जैन समाज के मीडिया प्रभारी विमल जौंला, राकेश संधी एवं सुनील भाणजा ने बताया कि आर्यिका माताजी ग्राम रजवास से विहार कर मंगलवार सुबह निवाई शहर पहुंचीं। यहाँ पहाड़ी चुंगी नाका, वैयरहाउस, बड़ा जैन मंदिर, चतुर्भुज बाजार और खारी कुंई होते हुए संघ संत निवास (नसियां जैन मंदिर) पहुंचा। इस दौरान विमल पाटनी, नेमीचंद गंगवाल, महावीर प्रसाद पराणा और नवरत्न टोंग्या सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन कर माताजी का आशीर्वाद लिया। नसियां मंदिर में वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं मुनि हितेंद्र सागर महाराज के समक्ष आर्यिका माताजी ससंघ ने वंदना की। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोगों ने श्रीफल भेंट कर 28 जनवरी को आयोजित होने वाले 'मानस्तंभ मस्तकाभिषेक समारोह' में सम्मिलित होने का सविनय निवेदन किया। धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने कहा कि 'दिगंबर जैन साधुओं के मार्गदर्शन में ही तीर्थों का वास्तविक विकास होता है। संतों के चरण जहाँ पड़ते हैं, वह भूमि स्वयं तीर्थ बन जाती है।' उन्होंने पदमपुरा, स्वस्ति धाम और कुण्डलपुर जैसे क्षेत्रों की सराहना की। आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने निवाई को 'ऋषि-मुनियों की धर्मनगरी' बताते हुए कहा कि संसार से मोक्ष तक का सफर 'विश्वास' की आधारशिला पर टिका है। उन्होंने गुरु चरणों की महिमा बताते हुए कहा कि सम्यक दर्शन, ज्ञान और चारित्र के बल पर ही जीव संसार सागर को पार कर सकता है। उन्होंने श्रावकों को विवेकपूर्ण समर्पण और मयार्दा में रहने का उपदेश दिया।

श्री अग्रसेन शिक्षण समिति ने सेवा भारती विद्यालय में फहराया तिरंगा

77वें गणतंत्र दिवस पर बच्चों ने दिखाए जिम्नास्ट के करतब, समिति ने भेंट की राशन सामग्री

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन शिक्षण समिति, जयपुर के तत्वावधान में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह महेश नगर स्थित सेवा भारती बाल विद्यालय के प्रांगण में अत्यंत उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया। समारोह के दौरान समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ओ.पी. गुप्ता, महामंत्री स्वतंत्र मित्तल, संरक्षक मुरारी लाल अग्रवाल, विष्णु भगवान और रामेश्वर गुप्ता ने संयुक्त रूप से ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम के संयोजक महेंद्र बैराठी ने बताया कि इस गौरवशाली अवसर पर समिति की ओर से विद्यालय के होनहार विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए पुरस्कृत किया गया। समारोह में स्कूली बच्चों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। बच्चों द्वारा प्रस्तुत किए गए देशभक्ति गीत, नृत्य नाटिका और जिम्नास्टिक्स के हैरतअंगेज करतबों ने उपस्थित सभी लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसकी सभी ने मुक्तकंठ से सराहना की। कार्यक्रम के पश्चात बच्चों एवं विद्यालय स्टाफ को मिठाई वितरित की गई। सामाजिक उत्तरदायित्व का निर्वहन करते हुए समिति द्वारा विद्यालय में संचालित हॉस्टल के लिए राशन सामग्री भी भेंट की गई। अंत में समिति के कोषाध्यक्ष विनोद गुप्ता ने कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथियों और सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'नवकार' द्वारा धूमधाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

भट्टारक जी की नसिया में देशभक्ति के गीतों और घूमर नृत्य की रही धूम

जयपुर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप 'नवकार' द्वारा 77वां गणतंत्र दिवस समारोह भट्टारक जी की नसिया स्थित तोतूका भवन में अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ध्वजारोहण एवं सम्मान समारोह

कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलाचरण से हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि जतन कुमार सेठी (सेठी ट्रांसपोर्ट कंपनी) की गरिमामयी उपस्थिति में इंजीनियर प्रेम चन्द छाबड़ा द्वारा ध्वजारोहण किया गया। श्रीमती आशा अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित कर समारोह की शुरूआत की। इस अवसर पर निहाल चन्द सोगानी (अधिवक्ता), प्रोफेसर इन्द्र प्रभ जैन, डॉक्टर कृष्ण गोपाल शर्मा एवं मास्टर सर्वज्ञ ठोलिया का माला, दुपट्टा और साफा पहनाकर एवं स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य सम्मान किया गया। सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती कौशल्या जैन के निर्देशन में देशभक्ति का अनूठा रंग देखने को मिला। श्रीमती अलका जैन, दिनेश कुमार (एडवोकेट), कु. पीहू पापड़ीवाल, चारवी और आरोही सहित उपस्थित सदस्यों ने देशभक्ति गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दीं। विशेष रूप से महिलाओं द्वारा प्रस्तुत घूमर नृत्य आकर्षण का केंद्र रहा।

मनोरंजन एवं आभार: समारोह में 'लकी ड्रॉ' के माध्यम से 26 सदस्यों को उपहार वितरित किए गए। हाउजी/तंबोला खेल के सफल आयोजन में श्रीमती प्रेमलता सेठी, निर्मल रारा और ममता जैन का विशेष सहयोग रहा। मंच का सफल संचालन श्रीमती शशि सेन जैन द्वारा किया गया एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी श्रीमती चन्द्र कांता छाबड़ा ने निभाई। अंत में कार्याध्यक्ष सुरेश जैन बांदीकुई एवं सचिव विजय कुमार पांड्या ने सभी का आभार व्यक्त किया।

रोटरी क्लब के कैंसर जांच शिविर में 300 से अधिक मरीजों ने उठाया लाभ

आधुनिक मैमोग्राफी मशीन से हुई जांच, रोटरी और बालको मेडिकल सेंटर की अनूठी पहल

जबलपुर. शाबाश इंडिया

रोटरी क्लब जबलपुर एवं बालको मेडिकल सेंटर, रायपुर (छत्तीसगढ़) के संयुक्त तत्वावधान में घंटाघर स्थित गीता भवन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित निःशुल्क कैंसर जांच शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए 300 से अधिक मरीजों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

जागरूकता और जांच

रोटरी क्लब जबलपुर की अध्यक्ष श्रीमती मिताली बनर्जी ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समय पर जांच के माध्यम से जीवन रक्षा करना है। बालको मेडिकल सेंटर के प्रतिनिधियों श्री विपेन्द्र सिंह एवं श्री पुनीत तिवारी ने जानकारी दी कि शिविर में विशेष रूप से आधुनिक मैमोग्राफी मशीन उपलब्ध कराई गई थी, जिससे महिलाओं की स्तन कैंसर जांच की गई। इसके अतिरिक्त मुख, गले और गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) कैंसर की भी निःशुल्क जांच हुई। शिविर में बालको मेडिकल सेंटर के वरिष्ठ कैंसर विशेषज्ञ डॉ. गौरव गुप्ता एवं डॉ. जय राय के साथ डॉ. अमिता जैन, डॉ. सारिका दुबे, डॉ. राखी बाजपेयी, डॉ. मालती भगत एवं आईएमए अध्यक्ष डॉ. ऋचा शर्मा ने अपनी सेवाएं दीं। चिकित्सकों ने मरीजों को परामर्श देने के साथ-साथ जिनमें प्रारंभिक लक्षण पाए गए, उन्हें आगे के उपचार हेतु उचित मार्गदर्शन भी दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज उपस्थित रहे। रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3261 के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे अमित जायसवाल ने इस पहल को जनसेवा की दिशा में एक सार्थक कदम बताया। आयोजन को सफल बनाने में रोटरी क्लब संस्कारधानी, रोटरी क्लब वेस्ट, डिस्ट्रिक्ट मीडिया चेयरमैन रोटे नितिन जैन, असिस्टेंट गवर्नर रोटे अंकुर माहेश्वरी सहित जबलपुर के समस्त रोटरी क्लबों के पदाधिकारियों का सराहनीय सहयोग रहा।

गणतंत्र दिवस पर डॉ. सुनील जैन 'संचय' उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'जैन संस्कृति संवर्द्धन सम्मान' से विभूषित

लखनऊ. शाबाश इंडिया

77वें गणतंत्र दिवस एवं उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल एवं उपमुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने ललितपुर के सुप्रसिद्ध विद्वान डॉ. सुनील जैन 'संचय' को प्रतिष्ठित 'जैन संस्कृति संवर्द्धन सम्मान' से सम्मानित किया। यह गरिमामय अलंकरण समारोह 26 जनवरी 2026 को राजभवन (लखनऊ) स्थित गांधी सभागार में आयोजित किया गया। संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित इस समारोह में कला, साहित्य, नाट्य, खेल तथा दर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विशिष्ट विभूतियों को सम्मानित किया गया। डॉ. सुनील जैन 'संचय' को यह सम्मान जैन संस्कृति, दर्शन, साहित्य और शोध के क्षेत्र में उनके सतत एवं बहुआयामी राष्ट्रीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। यह चयन उ.प्र. जैन विद्या शोध

संस्थान, लखनऊ की उच्चाधिकार प्राप्त समिति के निर्णय के आधार पर किया गया, जिसकी अध्यक्षता उपाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) अभय कुमार जैन ने की। महामहिम राज्यपाल ने डॉ. सुनील जैन 'संचय' को प्रशस्ति पत्र, 51,000 रुपए की सम्मान राशि का चेक एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया। समारोह में प्रमुख सचिव (पर्यटन एवं संस्कृति) श्री अमृत अभिजात, निदेशक श्री अमित कुमार अग्निहोत्री, अपर मुख्य सचिव डॉ. सुधीर बोबडे सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने संबोधन में राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि ऐसे सम्मान वर्षों की साधना का प्रतिफल हैं और भावी पीढ़ी के लिए प्रेरणा के स्रोत हैं। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि साहस ही नवाचार की पहली सीढ़ी है और जब युवा संकल्पित होते हैं, तभी 'विकसित भारत' का सपना साकार होता है। डॉ. सुनील जैन 'संचय' की इस विशिष्ट उपलब्धि पर देश भर के साहित्यिक मनीषियों, सांस्कृतिक संस्थाओं और प्रबुद्ध जनों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

रिपोर्ट: राजेन्द्र जैन 'महावीर'

राजस्थान एनएसएस के इतिहास में स्वर्णिम अध्याय

कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड 2026 में राजस्थान की चारु सिंह ने किया राष्ट्रीय दल का नेतृत्व

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के लिए यह अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय है कि इतिहास में पहली बार राज्य की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविका सुश्री चारु सिंह को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कर्तव्य पथ, नई दिल्ली पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2026 में राष्ट्रीय सेवा योजना के राष्ट्रीय दल का नेतृत्व करने का गौरव प्राप्त हुआ है। सुश्री चारु सिंह एमिटी यूनिवर्सिटी की छात्रा हैं। इस वर्ष राजस्थान से कुल 10 एनएसएस स्वयंसेवक कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड में प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए हैं। यह न केवल राजस्थान, बल्कि संपूर्ण राष्ट्रीय सेवा योजना परिवार के लिए गर्व, प्रेरणा एवं सम्मान का प्रतीक है। राजकीय महाविद्यालय ब्रह्मपुरी, जयपुर के राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. विवेक चूलेट राजस्थान दल का नेतृत्व कर रहे हैं। क्षेत्रीय निदेशक (भारत सरकार) श्री एस. पी. भटनागर ने बताया कि राज्य राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ. नरेंद्र गुमा, राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. के. के. कुमावत, युवा अधिकारी सुश्री करिश्मा टाक एवं सभी जिला समन्वयकों,

कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों के समन्वित प्रयासों और अथक परिश्रम से यह उपलब्धि हासिल हुई है। राजस्थान सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव (उच्च एवं तकनीकी शिक्षा) श्री कुलदीप रांका ने इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए संपूर्ण राष्ट्रीय सेवा योजना टीम को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

महिला जागृति संघ ने हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस

देश भक्ति गीतों से गुंजायमान हुआ परिसर

जयपुर. शाबाश इंडिया। 'महिला जागृति संघ' की सदस्यों द्वारा सोमवार को संत सुधा सागर महिला जागृति विद्यास्थली भवन में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराकर तिरंगे को सलामी दी गई।

ध्वजारोहण और राष्ट्रवंदन

समारोह के मुख्य अतिथि श्री निर्मल जी कासलीवाल ने ध्वजारोहण किया। ध्वज फहराने के पश्चात सामूहिक रूप से झंडा गान और राष्ट्रगान का गायन किया गया, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति के रंग में सराबोर हो गया।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भावनात्मक संदेश

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। शशि जैन द्वारा रचित भावनात्मक देशभक्ति गीतों की सुंदर प्रस्तुति सरोज छाबड़ा, कुसुम ठोलिया, साधना काला, सरोज जैन, राजकुमारी, विजया, रूबी, उर्मिला और रेणु जैन द्वारा दी गई। गीतों के साथ-साथ सदस्यों ने देशभक्ति पर आधारित नाटकों की मनोरंजक झलकियाँ भी प्रस्तुत कीं, जिन्होंने मनोरंजन के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का संदेश भी दिया। कार्यक्रम के अंत में संघ की पदाधिकारियों ने सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया और मिष्ठान वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

के.एल. सैनी स्टेडियम में गूंजा राष्ट्रगान, हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित के.एल. सैनी स्टेडियम के 'वॉकर समिति स्टेडियम पार्क' में सोमवार को 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत गरिमा और देशभक्ति के साथ मनाया गया। प्रातः 8:30 बजे आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अधिशाषी अभियंता (राजस्थान हाउसिंग बोर्ड) श्री विनोद शर्मा एवं श्रीमती योजना शर्मा ने ध्वजारोहण कर तिरंगे को सलामी दी।

भक्ति और उल्लास का संगम

ध्वजारोहण से पूर्व मनोज माथुर एवं प्रमोद अग्रवाल के देशभक्ति गीतों ने उपस्थित जनसमूह में जोश भर दिया। सामूहिक राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के गायन से संपूर्ण वातावरण राष्ट्रीयता के रंग में सराबोर हो गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि दम्पति की वैवाहिक वर्षगांठ होने के कारण समारोह का आनंद दोगुना हो गया। समिति के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी और श्री विनोद शर्मा के सौजन्य से सभी को लड्डू वितरित किए गए। समिति के मंत्री महावीर जैन बाकलीवाल ने बताया कि समारोह में देवेंद्र लांबा, सोहनलाल खंडेलवाल, कोषाध्यक्ष रवींद्र जैन, जी.एस. राव, उत्तम वशिष्ठ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में मंत्री बाकलीवाल ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

गढ़ सिवानाः आस्था और वैभव के साथ संपन्न हुआ चम्पावाड़ी का पंचदिवसीय रजत जयंती महोत्सव

(संवाददाताः मुकेश आर. कंकु चौपड़ा)

गढ़ सिवाना. शाबाश इंडिया। दादा जिनकुशल सूरीजी की जन्मस्थली चम्पावाड़ी में आयोजित पंचदिवसीय 'रजत जयंती महोत्सव' ऐतिहासिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। श्री जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ श्री चम्पाश्रीजी स्मारक ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित यह महापर्व, सीमंधर स्वामी जिनालय, दादावाड़ी एवं गुरुमंदिर की प्रतिष्ठा की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया गया।

गुरु सान्निध्य में धार्मिक अनुष्ठान

महोत्सव खरतरगच्छाधिपति आचार्य भगवंत श्री जिनमणिप्रसूरीश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा एवं साध्वी श्री विमलप्रभाश्रीजी, डॉ. सौम्यगुणाश्रीजी आदि साधु-साध्वीवृंद के सान्निध्य में संपन्न हुआ। ट्रस्ट अध्यक्ष वंशराज भंसाली ने बताया कि यह आयोजन जिनशासन और समाज को जोड़ने वाला एक मील का पत्थर सिद्ध हुआ है।

पांच दिनों का आध्यात्मिक सफर

महोत्सव का शुभारंभ कुंभ स्थापना, नवग्रह पूजन और विभिन्न नगरी (भोजन खंड व प्रवचन स्थल) के उद्घाटन के साथ हुआ। प्रथम तीन दिनों में अठारह अभिषेक, दादा गुरुदेव महापूजन, मेहंदी रस्म और 'गांव सांझी' जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समां बांधा। मुंबई, इंदौर और जोधपुर के विख्यात संगीतकारों ने प्रभु भक्ति की अनूठी प्रस्तुतियां दीं।

भव्य वरघोड़ा और बहु सम्मेलन

चतुर्थ दिवस पर नगर में परमात्मा का भव्यातिभव्य वरघोड़ा निकाला गया। इंद्रध्वजा, गजराज, सुसज्जित रथ और गुरुदेव की पालकी आकर्षण का केंद्र रहे। दोपहर में 'बहु सम्मेलन' का विशेष आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 800 बहुओं ने एक ही रंग के परिधान में भाग लिया। इस दौरान मातृ वंदना के कार्यक्रम ने उपस्थित जनसमुदाय को भावुक कर दिया।

धार्मिक समर्पण और सम्मान

अंतिम दिन आध्यात्मिक उत्कर्ष के साथ समारोह का समापन हुआ। आचार्य प्रवर ने 25 वर्षों की अनवरत सेवा हेतु वंशराज भंसाली को 'संघ गौरव' और मुकेश आर. चौपड़ा को 'शासन गौरव' पद से विभूषित किया। साथ ही, तीन साध्वीवृंद के 'रजत संयम वर्ष' के उपलक्ष्य में संयम वंदनावली आयोजित की गई।

सफलता के स्तंभ

महोत्सव की सफलता में संयोजक बाबूलाल भंसाली, सचिव भूरचंद जीरावला, कोषाध्यक्ष बाबूलाल तातेड़ सहित समस्त कार्यकारिणी और महिला विंग का समर्पित सहयोग रहा। आयोजन में विधायक हमीरसिंह भायल और रुमादेवी जैसी विशिष्ट हस्तियों ने भी शिरकत की। विधिकारक अरविंद भाई चोरड़िया ने सभी अनुष्ठान शुद्ध विधि-विधान से पूर्ण कराए।